उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–18
अंक–01
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 15 नवम्बर, 2026
RNI No.: UPHIN2008/32664

महिला सम्मान पर दोहरा मापदंड अपना रही कांग्रेस : बांसुरी स्वराज



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महिला सम्मान के मुद्दे पर कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है।भाजपा ने कहा कि महिला सम्मान पर बड़े–बड़े नारे लगाने वाली कांग्रेस गंभीर आरोपों के मामलों में चुप्पी साध लेती है।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने पार्टी मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता में झारखंड के कांग्रेस विधायक भूषण भाड़ा पर नाबालिग आदिवासी बच्ची से दुष्कर्म के आरोपों और मणिपुर के कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजाम को चुनावी समितियों में अहम जिम्मेदारी दिए जाने के मामले को लेकर सवाल उठाए। स्वराज ने कहा कि महिला सम्मान की बात करने वाली कांग्रेस का यह रवैया उसके दावों के विपरीत है।

स्वराज ने कहा कि एक ओर देश अपनी संस्कृति पर गर्व करते हुए छठी मईया की आराधना कर रहा है, जो सृष्टि के सृजन की स्रोत हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस शक्ति स्वरूपा नारी का बार–बार अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती श्जनजातीय गौरव दिवसश के अवसर पर झारखंड के कांग्रेस विधायक भूषण भाड़ा पर 14 वर्षीय आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोप सामने आना बेहद शर्मनाक है। मामले में जांच एजेंसी द्वारा पॉक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किए जाने का भी उन्होंने उल्लेख किया। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि विधायक ने बच्ची को शिक्षा और बेहतर जीवन का झांसा दिया, उससे घर के काम करवाए, मारपीट की और बाद में उसका यौन शोषण किया। उन्होंने कहा कि ये आरोप बेहद गंभीर और आत्मा को झकझोर देने वाले हैं। स्वराज ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या पार्टी ने अपने विधायक से इन आरोपों पर जवाब मांगा है? उन्होंने कहा कि श्स्मैश द पितृसत्ताश जैसे नारे देने वाली कांग्रेस कब तक मौनं स्वीकृति लक्षणम की नीति पर चलती रहेगी?सांसद स्वराज ने बिमोल अकोइजाम के मामले में भी पार्टी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जेएनयू की 11 छात्राओं ने अकोइजाम पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनके अनुसार, अनुशासनात्मक कार्रवाई में दोषी पाए जाने के बाद उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया गया था। स्वराज ने कहा कि ऐसे गंभीर आरोपों के बावजूद कांग्रेस ने अकोइजाम को पुरस्कृत किया है। मणिपुर में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उन्हें चुनाव समिति, प्रचार समिति और घोषणापत्र समिति का सह–अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्होंने हैरानी जताई।

स्वराज ने कहा कि महिला सम्मान की बात करने वाली कांग्रेस का यह रवैया उसके दावों के विपरीत है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी सरकार महिलाओं को केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता और आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में देखती है।

एमपी को मिलेगा 56वां जिला : सीएम यादव



भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में प्रशासनिक नक्शे में एक और जिले के जुड़ने की संभावना बन रही है। शिवपुरी जिले के पिछोर को अलग जिला बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछोर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि राज्य सरकार इस मांग को प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सामने रखेगी। आयोग की सिफारिश के आधार पर इस दिशा में आगे की प्रक्रिया तय होगी। ऐसा होने पर पिछोर प्रदेश का 56वां जिला बन सकता है। मुख्यमंत्री पिछोर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने जिला बनाने की मांग को लेकर नारे लगाए। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने भी मंच से यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को जिला बनाने से विकास की गतिविधियों को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री और गुना–शिवपुरी सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी मांग का समर्थन करते हुए कहा कि पिछोर को जिला बनाने की इच्छा पूरे क्षेत्र की है।

प्रदेश के आठ जिलों से गुजरेगी भाजपा की समरसता संकल्प यात्रा

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा का समरसता संकल्प अभियान का चौथा चरण 18 नवंबर से शुरू होगा। इसके तहत जालंधर से काशी तक निकाली जाने वाली 18 दिवसीय यात्रा 25, 26 और 28 नवंबर को हरियाणा के आठ जिलों से गुजरेगी। कुरुक्षेत्र में विशाल धर्मसभा होगी, जबकि सोनीपत और फरीदाबाद में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा की तैयारी के लिए भाजपा जिला कार्यालय गीता कमल में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यशाला हुई। इसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य विशेष रूप से पहुंचे। कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार, विपुल गोयल, कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन राणा, सत्यप्रकाश जरावता, गोपाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गुर्जर, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल सहित दस जिलों के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। करीब दो घंटे तक यात्रा के स्वागत, जनसभाओं, प्रचार–प्रसार और सामाजिक भागीदारी की तैयारियों पर मंथन किया गया। संतों, सामाजिक–धार्मिक संगठनों और प्रबुद्धजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगा ठंड का असर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज धीरे–धीरे बदलने लगा है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस की जा रही है, जबकि दिन के समय तापमान अपेक्षाकृत अधिक बना हुआ है। राजधानी रायपुर सहित कई शहरों में रात के तापमान में गिरावट के साथ सर्दी का असर दिखाई देने लगा है। अंबिकापुर प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बैंक मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भिण्ड, एजेंसी। मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले के फूप कस्बे में चंबल ग्रामीण बैंक के मैनेजर अशोक खागा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह फूप में ही वार्ड क्रमांक नौ में किराए के कमरे में अकेले रहते थे। करीब 10 बजे कमरे से बदबू आने पर मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर देखा तो मैनेजर अंदर मृत अवस्था में मिले।

काठगोदाम-ज्योलीकोट-डोलमार मार्ग की हालत खस्ता

हल्द्वानी, एजेंसी। पहाड़ की राह पर सफर करना है तो संभलकर चलिए, क्योंकि काठगोदाम से ज्योलीकोट और डोलमार तक सड़क कम, गड्ढे ज्यादा नजर आ रहे हैं। कहीं डामर उखड़कर नालियों में तब्दील हो चुका है तो कहीं गहरे गड्ढे स्थानीय लोगों, वाहन चालकों और पर्यटकों की परीक्षा ले रहे हैं। ऊपर से सड़क किनारे पड़े बोल्डर और भूस्खलन के निशान खतरे को और बढ़ा रहे हैं। हैरानी यह है कि मुख्यमंत्री के बरसात के बाद सड़कों के गड्ढे तत्काल भरने के निर्देश भी इस मार्ग की तस्वीर नहीं बदल सके। अब राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारी का कहना है कि सड़क पर नए सिरे से डामरीकरण कराया जाना है, लेकिन इसके लिए जरूरी बिटुमिन (कोलतार) उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सवाल है कि कोलतार मिलने तक यात्रियों को इन गड्ढों के बीच ही सफर करना पड़ेगा।



40 हजार श्रद्धालुओं ने पाया प्रसाद



टी0आई0एल0 संवाददाता

चित्रकूट। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ के श्री आद्य शंकराचार्य आश्रम में दिवाली पर्व पर चार दिवसीय अखंड भंडारा संपन्न हुआ। इसमें लगभग 40 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अध ोक्षजानंद ने परिक्रमा भी लगाई।

यह भंडारा आठ नवंबर को शुरू होकर 11 नवंबर की शाम तक चला। आश्रम चित्रकूट–कालिंजर मुख्य मार्ग पर चौराहा में स्थित है। यहां मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के लगभग 15 जिलों के श्रद्धालु मंदाकिनी स्नान व कामदगिरि परिक्रमा के लिए आते–जाते हैं। रात–दिन चले इस भंडारे में हलवा, खीर, सब्जी–पूड़ी और कढ़ी–चावल परोसा गया। इसका संचालन आश्रम प्रबंधन और क्षेत्रीय श्रद्धालुओं ने किया। इस दौरान आश्रम परिसर में बुंदेलखंडी पारंपरिक दिवारी नृत्य भी हुआ। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद ने भगवान कामतानाथ के दर्शन कर संतों से मुलाकात की। इस अवसर पर पूर्व विधायक दिनेश मिश्रा, नरेंद्र पयासी, मनीराम, विनोद पांडेय, राघवेंद्र पयासी, शिवनारायण, मदगंजन प्रसाद, अनिल गर्ग, प्रकाश, लक्ष्मणाचार्य, शिवकुमार काका, घनश्यामाचार्य, रहीमदास, सुशील पांडेय समेत अन्य मौजूद रहे।

बोआई का वक्त, डीएपी का संकट, केंद्रों पर भटक रहे किसान

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। रबी फसलों की बोआई का समय निकल रहा है, लेकिन किसानों को डीएपी खाद नहीं मिल रही। तहसील अतर्रा क्षेत्र में खाद का संकट गहराने से किसान एक केंद्र से दूसरे केंद्र तक चक्कर काट रहे हैं। दिवाली के बाद से डीएपी की किल्लत बढ़ गई है। कस्बे के तीनों खाद वितरण केंद्रों पर स्टॉक की स्थिति ऐसी है कि कहीं डीएपी का इंतजार है तो कहीं कई दिनों से आपूर्ति नहीं हुई। किसान घंटों भटकने के बाद खाली हाथ लौट रहे हैं।

इससे गेहूं समेत अन्य रबी फसलों की बोआई पिछड़ने की चिंता सताने लगी है। दूसरी ओर, प्रशासन खाद की पर्याप्त उपलब्ध ाता का दावा कर रहा है, लेकिन केंद्रों के आंकड़े इस दावे से अलग तस्वीर दिखा रहे हैं। बदौसा मार्ग स्थित क्रय–विक्रय समिति पर स्टॉक में 500 बोरी है। डीएपी के लिए सुबह से ही किसान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन उपलब्ध ाता न होने से उन्हें निराश लौटना पड़ा।



समिति के सचिव राम सिंह ने बताया कि केंद्र पर डीएपी का स्टॉक एक सप्ताह से नहीं है। इसके लिए चेक लगा दिया गया है। आपूर्ति होते ही वितरण शुरू किया जाएगा। इसी तरह से बी–पैक्स केंद्र पर 694 बोरी यूरिया और 250 बोरी एनपीके उपलब्ध है। यहां के सचिव रामेंद्र द्विवेदी ने बताया कि डीएपी का स्टॉक छह नवंबर को खत्म हो गया था। दो दिन में नई खेप आने की संभावना है। वहीं, मंडी परिसर स्थित पीसीएफ केंद्र पर चार नवंबर से डीएपी और एक सप्ताह से यूरिया उपलब्ध नहीं है। प्रभारी रामलखन कुशवाहा ने बताया कि खाद आने के बाद किसानों को वितरण किया जाएगा।

गांव महोतरा निवासी किसान लक्ष्मी प्रसाद पांडेय ने बताया कि बोआई का समय निकलता जा रहा है। सुबह से एक केंद्र से दूसरे केंद्र तक डीएपी के लिए चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कहीं खाद नहीं मिल रही। आखिर किसान कब तक इंतजार करें। बिना डीएपी के बोआई कैसे करें। वहीं, गुमाई निवासी किसान चुनबाद का कहना है कि केंद्रों के चक्कर काटकर थक चुके हैं। समय पर खाद नहीं मिली तो फसल की बोआई पिछड़ जाएगी।

पुलिया व दो संपर्क मार्गों पर खर्च होंगे 38.50 लाख रुपये



टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने दो संपर्क मार्ग पर विशेष मरम्मत और एक पुलिया निर्माण कराया जाएगा। तीनों कार्य पर करीब 38.50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

तहसील बबेरू के मऊ–सिकरियन डेरा संपर्क मार्ग पर 2.800 किलोमीटर में पुलिया बनाई जाएगी। इसके लिए 10 लाख रुपये का बजट निर्धारित है। इसी तरह से बालक बाबा संपर्क मार्ग के किलोमीटर 1.950 पर 9.60 लाख रुपये से विशेष मरम्मत होगी। वहीं सदर तहसील क्षेत्र के मथनाखोड़ा संपर्क मार्ग के किलोमीटर 1.850 पर 18.90 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे और यहां भी मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। तीनों कार्यों के लिए दो–दो महीने का समय तय किया गया है। पुलिया निर्माण व सड़क की मरम्मत होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

सिंगापुर से आई बुंदेलखंड की बेटी ने किया 50 करोड़ का निवेश

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। सिंगापुर में दो दशक से अधिक समय बिताकर उद्यमिता के क्षेत्र में पहचान बनाने वाली हमीरपुर की बेटी संध्या सिंह अब अपनी जन्मभूमि में निवेश कर रही हैं। सिंगापुर में शिक्षिका के रूप में करियर शुरू करने के बाद कारोबार से जुड़ीं संध्या अब एनएच–34 पर बेतवा पुल के पास करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से रिसॉर्ट तैयार करा रही हैं। इसका संचालन फरवरी 2027 से शुरू करने की तैयारी है। इससे जनपद के युवओं को रोजगार मिलेगा।हमीरपुर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुछेछा से संध्या ने स्नातक के बाद परास्नातक की शिक्षा भी प्राप्त की है। वर्ष 2005 में सिंगापुर गईं संध या ने वहां करीब दस साल तक शिक्षिका के रूप में काम किया। इसके बाद कारोबार और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़ गईं। उनके पिता श्रीराम पाल सिंह हमीरपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। पति गजेंद्र सिंह का विशेष रसायनों का कारोबार पांच देशों में संचालित है। संध्या के अनुसार, सिंगापुर में उन्हें वहां की नागरिकता का प्रस्ताव भी मिला था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। उनका कहना है कि विदेश में अर्जित अनुभव और संसाधनों को अपनी जन्मभूमि में लगाना चाहती हैं।



शहर की हवा में धीमे–धीमे घुल रहा जहर, 158 पर पहुंचा एक्यूआई

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। खेतों और खुले वातावरण वाले इस जिले के शहर में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है। दीपावली पर आतिशबाजी के बाद बढ़ा प्रदूषण त्योहार बीतने के बाद भी कम नहीं हुआ है। शहर का एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 158 दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को यह 154 था। दीपावली के दिन एक्यूआई 195 तक पहुंच गया था। यानी त्योहार के बाद भी हवा की सेहत में खास सुधार नहीं हुआ है। लगातार 150 के पार बना प्रदूषण का स्तर इस बात का संकेत है कि शहर की हवा में धूल और ध ुएं का असर बरकरार है।शहर में सुबह से देर शाम तक सड़कों पर वाहनों का दबाव बना रहता है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों से निकलने वाला धुआं वातावरण में प्रदूषण बढ़ा रहा है। वहीं, सड़कों पर उड़ती धूल, जगह–जगह चल रहे निर्माण कार्य और खुले में रखी निर्माण सामग्री भी हवा को दूषित कर रही है। शहर के विस्तार के साथ वाहनों की संख्या और आवागमन तो बढ़ा है, लेकिन इसके अनुपात में हरित क्षेत्र विकसित करने और धूल नियंत्रण के प्रयास कितने प्रभावी हैं, इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दीपावली पर आतिशबाजी के चलते हवा में धुएं और सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ जाती है। शहर में भी इसका असर देखने को मिला और एक्यूआई 195 तक पहुंच गया। उम्मीद थी कि त्योहार के बाद प्रदूषण का स्तर नीचे आएगा, लेकिन इसके बाद भी एक्यूआई 150 से ऊपर बना हुआ है।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। कस्बे के बांकी रोड निवासी एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे नाजुक हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कस्बे के बांकी रोड की कांशीराम कॉलोनी निवासी श्रीमती ने बताया कि उसका पति वीरेंद्र कुमार (28) बीते 18 अक्टूबर को परदेश से वापस आया था और दीपावली त्यौहार करने के बाद वापस जाने की तैयारी थी। लेकिन सुबह उसने जहरीला पदार्थ घटक लिया। जिसे गंभीर हालत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत नाजुक होने पर उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक अपने पीछे पत्नी श्रीमती, पुत्र आर्यन एवं पुत्री आव्या को रोता बिलखता छोड़ गया है।

DOLBY INFOTAINMENT
Where brands become legends
Cricket Advertising
TV & Radio Advertising
Multiplex Advertising
Outdoor Advertising
Social Media Advertising
Transit Media Advertising
INDIA'S LEADING
ADVERTISING AGENCY
Call us: 0522-4010 844 | 7985907267 | 8318924761
Website: dolbyinfotainment.com | Email: dolbyinfotainment@gmail.com

साइबेरियन पक्षियों का हुआ आगमन, गंगा की लहरों पर अठखेलियां करते दिखे पक्षी



टी0आई0एल0 संवाददाता

वाराणसी। काशी में प्रवासी साइबेरियन पक्षियों का आगमन हो गया है। ये विदेशी पक्षी हर वर्ष की तरह इस बार भी यहां पहुंचे हैं। इनकी मौजूदगी से गंगा घाटों पर रौनक बढ़ गई है। नाव पर सवारी करने वाले लोग दाना डालकर फोटो और वीडियोग्राफी करा रहे हैं। ये मनमोहक पक्षी लगभग चार महीने तक काशी में अपना डेरा डालते हैं। इस दौरान वे गंगा नदी की लहरों पर खूब अठखेलियां करते हैं। इनकी उड़ानें और जलक्रीड़ाएं पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। साइबेरियाई पक्षी भारत के कई अन्य स्थानों पर भी देखे जाते हैं। इनमें राजस्थान का भरतपुर पक्षी अभयारण्य प्रमुख है।

ओडिशा की चिल्का झील भी इनके लिए एक महत्वपूर्ण प्रवास स्थल है। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में भी ये पक्षी पहुंचते हैं। हरियाणा का सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान भी इनका एक ठिकाना है।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी के अलावा मिर्जापुर में भी साइबेरियाई पक्षी दिखाई देते हैं। प्रयागराज के आसपास गंगा के किनारे भी इनकी मौजूदगी दर्ज की जाती है। चंदौली और रामनगर के गंगा तट भी इनके आगमन के गवाह बनते हैं। ये सभी स्थान इन प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं।

अग्निवीरों को 20 फीसद आरक्षण, शहीद के परिवार को 50 लाख, वीरता पुरस्कार राशि दोगुनी

टी0आई0एल0 संवाददाता

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के कुलवंत सिंह स्टेडियम में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मान रैली को संबोधित करते हुए सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार की योजनाओं का ब्योरा दिया। उन्होंने शहीद सैनिकों के परिवारों को मिलने वाली अनुग्रह राशि 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किए जाने, अग्निवीरों को विभिन्न विभागों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के अवसरों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों और उनके परिवारों की चिंता करना किसी भी सरकार का पहला दायित्व होना चाहिए। वर्दीधारियों का सम्मान डबल इंजन सरकार का संकल्प है।



सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले शहीद सैनिकों के परिवारों को 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती थी। प्रदेश सरकार ने इसे बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया है। उनके अनुसार, अब तक 150 शहीद परिवारों को 59 करोड़ 50 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है। वर्ष 2018 में शहीद के आश्रित को सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था भी लागू की गई।

ताजमहल मेट्रो स्टेशन पर आतंकी हमले की मॉक ड्रिल, 85 जवानों ने संभाला मोर्चा

टी0आई0एल0 संवाददाता

आगरा। ताजमहल मेट्रो स्टेशन पर दो हथियारबंद आतंकियों के घुसने की कोशिश से सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से दोनों को स्टेशन के अंदर ही दबोच लिया गया। उनके पास से दो पिस्टल, 35 कारतूस, टैक्टिकल टॉर्च और स्टेशन का नक्शा मिला। यह पूरा घटनाक्रम मेट्रो स्टेशन पर आयोजित मॉक ड्रिल का हिस्सा था।



ऑपरेशन समाप्त होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए यह अभ्यास किया गया। दोनों ने छोटे हथियार छिपाकर एएफसी एग्जिट गेट से प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन तैनात गार्ड ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद दोनों कॉनकोर्स एरिया में लिफ्ट के पास मशीन रूम और प्लेटफॉर्म के इमरजेंसी दरवाजे से अंदर छिप गए।

एसएसएफ के प्रभारी अजीत सिंह ने एससीआर के माध्यम से ओसीसी को सूचना दी। इसके बाद क्यूआरटी, सर्च, प्रोटेक्शन और गिरफ्तारी टीमों ने मोर्चा संभाला। काफी मशक्कत के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

पूछताछ में दोनों ने मेट्रो के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाने, सेवाएं बाधित करने और आमजन में दहशत फैलाने की योजना बताई। मॉक ड्रिल में करीब 85 सुरक्षा कर्मियों ने हिस्सा लिया। इनमें प्रभारी निरीक्षक सुशांत गौर, निरीक्षक राजीव कुमार सहित नौ उपनिरीक्षक, 35 मुख्य आरक्षी और 17 आरक्षी शामिल रहे।

लाठी डंडों और चाकू से युवक पर हमला, हालत गंभीर

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। भदोखर क्षेत्र के नथईपुर मजरे बेला भेला गांव में स्कूल में मिट्टी डालने के विवाद में निर्माण कंपनी के मुंशी पर चाकुओं और लाठी–डंडों से हमला कर दिया गया। सीने पर चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी से एम्स रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने चार नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हरचंदपुर थाना क्षेत्र के डेडौली निवासी छबीनाथ का बेटा हिमांशु पाल (26) एक निर्माण कंपनी में मुंशी है। कंपनी को नथईपुर गांव के कंपोजिट विद्यालय में मिट्टी डालने का काम मिला है। बताया जाता है कि कुछ लोग स्कूल में मिट्टी डालने का विराध कर रहे थे। इसी को लेकर कंपनी और विरोध करने वालों के बीच विवाद चल रहा था।

हिमांशु के मुताबिक, सुबह करीब 10.30 बजे वह नयापुर के पास से जा रहा था। तभी चार लोगों ने उसे रास्ते में घेर लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने गालीगलौज शुरू कर दी। इसके बाद लाठी–डंडों और चाकू से हमला कर दिया।

सीने में चाकू लगने से वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। हमलावर उसे मरणासन्न हालत में छोड़कर भाग निकले।

खंती में मिला युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। शुक्लागंज में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मरहला चौराहे के पास विष्णुपुरी मोहल्ला स्थित पानी भरे खंती में शाम गिरे युवक की डूबने से मौत हो गई थी। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया था।



परिजनों ने युवक की पहचान की और तीन युवकों पर हत्याकर शव खंती में फेंकने का आरोप लगाया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब साढ़े चार बजे शव गंगाघाट कोतवाली के गेट के सामने रखकर जाम लगाकर हंगामा किया।

मौके पर पहुंची सीओ सिटी विनी सिंह और कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब परिजन शांत हुए।

इस बीच राजधानी मार्ग से नवीन गंगा पुल तक करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा।शाम विष्णुपुरी स्थित पानी भरे खंती में गिरकर डूबने से युवक की मौत हो गई थी। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हाउस भेजा था। शुक्रवार को परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर नीरज उर्फ रेशू (28) पुत्र राजेश कुमार के रूप में पहचान की।

कोतवाल ने जांची बैंकों की सुरक्षा

टी0आई0एल0 संवाददाता

उन्नाव। बैंकों की सुरक्षा को लेकर कोतवाल ने एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी, एचडीएफसी, जिला सहकारी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और यूपी ग्रामीण बैंक सहित अन्य बैंकों की जांच की। कोतवाल भवन सिंह मौर्य ने बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी चेक करने के साथ संदिग्धों से पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने मौजूद लोगों को वाहनों की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही बैंकों की सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों की ड्यूटी भी जांची। निरीक्षण के दौरान कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला और न ही सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी पाई गई।

Call:0522-6537101, 9839919728
e-mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com
web:www.tvindialive.in
www.tvindialive.com
www.tilexpress.in
TIL Express
WEEKLY HINDI NEWSPAPER
Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency
Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road , Lucknow. 226012 (U.P.)

सम्पादकीय

डबल इंजन की सरकार प्रदूषण से लाचार

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें मोदी दिल्ली के प्रदूषण और सर्दियों के मौसम को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। इस वायरल वीडियो में नरेंद्र मोदी यह कहते हुए सुनाई देते हैं– 'इन्होंने दिल्ली का क्या हाल करके रख दिया है? जैसे ही सर्दियां आती हैं, इस प्रदूषित हवा में सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इन लोगों ने दिल्ली के हर मौसम को एक आपदा में बदल दिया है।' इसी तरह मोदी का एक वीडियो और भी है। यह 12 दिसंबर 2025 का संसदकालीन सत्र से पहले का है। मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित किया था। उन्होंने दिल्ली के भीषण प्रदूषण को लेकर तंज कसते हुए कहा था कि, 'आप भी मौसम का मजा लीजिए', और फिर संसद को 'नाटक' करने की जगह नहीं बल्कि 'कार्य निष्पादन' की जगह बताते हुए अपना भाषण शुरू किया था। यह बात कहते हुए मोदी शायद यह भूल गए कि वे देश के प्रधानमंत्री हैं। केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा गठबंधन की सरकार है और मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। दिल्ली राज्य में भाजपा की सरकार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सोशल मीडिया पर केंद्र और भाजपा शासित राज्यों को घेरते हुए सवाल उठाया कि 'हम वायु प्रदूषण में 'विश्व गुरु' क्यों बनते जा रहे हैं?' उन्होंने दिल्ली में वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों से पीएम 2.5 के आंकड़ों के गायब होने और पिछले साल के प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर भी सवाल खड़े किए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए दावा किया कि भारत को विश्व गुरु बनाने के दावों के बीच देश प्रदूषण के मामले में भी शीर्ष पर पहुंच गया है और उन्होंने भारत में प्रदूषण से हर साल बड़ी संख्या में लोगों की मौत का हवाला दिया। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बार–बार 'बहुत खराब' से 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया गया है, कुछ क्षेत्रों में स्तर 440–500 से ऊपर दर्ज किए गए हैं।

स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटर संस्था के ताजा आंकड़ों और रिपोर्ट्स के अनुसार दिल्ली को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में बार–बार शीर्ष (नंबर–1) स्थान पर दर्ज किया गया है। नवंबर 2026 में दिवाली के आसपास दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक कुछ समय के लिए 581 से लेकर 1702 तक के खतरनाक स्तर को पार कर गया था, जो पाकिस्तान के लाहौर जैसे अन्य प्रदूषित शहरों से भी दोगुना से अधिक रहा। भारत में प्रदूषण की स्थिति दिन पर दिन खराब होती जा रही है। हाल यह है कि दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के 91 शहर हैं। वास्तविक समय में हवा की गुणवत्ता और वायु प्रदूषण के स्तर की जानकारी देने वाली वेबसाइट एक्यूआई डॉट इन के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार शाम 7 बजे पंजाब का फरीदकोट दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 605 दर्ज किया गया। इस सूची में पाकिस्तान के तीन और चीन के 6 शहर शामिल थे। हर साल दिवाली के बाद राजधानी में यही हाल होता है जब वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। भीषण प्रदूषण से अस्पतालों ने सांस संबंधी समस्याओं और कुछ मामलों में गंभीर फेफड़ों की बीमारियों से पीडिघ्त मरीजों की संख्या में अचानक वृद्धि दर्ज की है। दिल्ली निवासियों को स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि यदि वे आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो शहर छोड़ दें, या यथासंभव घर के अंदर रहें और लगातार एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें। इस वर्ष दीपावली से पहले से ही आधारभूत प्रदूषण पिछले वर्षों की तुलना में अधिक रहा। प्रदूषण के स्रोतों पर नियंत्रण अपर्याप्त रहा। यदि सर्दियों की शुरुआत में हवा की गुणवत्ता साफ होती और पराली जलाने तथा पटाखों से होने वाली अचानक वृद्धि पर रोक लगाते तो मौसमी बदलावों से इतना गंभीर प्रदूषण नहीं फैलता। भारतीय ऊष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मॉडल के अनुसार, दिवाली के अगले दिन दिल्ली के प्रदूषण में 80 प्रतिशत से ज्यादा योगदान पटाखों के धुएं का था। शहर पहले से ही कई स्रोतों से प्रदूषण झेल रहा था, फिर भी आतिशबाजी का असर साफ दिखा। प्रदूषण रोकथाम के लिए पूरे वर्ष प्रभावी कदम उठाने की जगह ग्रेप के अलग–अलग चरण लागू कर वाहनों की आवाजाही और निर्माण पर रोक लगाने सहित कई तरह के प्रतिबंध लागू कर दिए जाते हैं, लेकिन इससे दिल्ली की हवा साफ होने की जगह और जहरीली हो रही है। सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के नए विश्लेषण का भी यही निष्कर्ष है। इस लापरवाही के कारण राजधानी की हवा दीपावली से पहले ही अन्य वर्षों की तुलना में अधिक प्रदूषित रही। लेकिन सीएसई की रिपोर्ट बताती है कि राजधानी में प्रदूषण वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और अन्य आंतरिक कारण हैं। छह नवंबर को जब दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सबसे अधिक 382 था, तब पराली के धुएं का योगदान मात्र 8 प्रतिशत के आसपास था। सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली के प्रदूषण के मामले में लकीर का फकीर बना हुआ है।

बेजोड़ है योगी की वाक्पटुता

अशोक त्रिपाठी

राजनेताओं के बारे में अलग–अलग लोगों की अलग–अलग राय हो सकती है। नेताओं का भी व्यवहार समय और परिस्थितियों के अनुरूप बदलता रहता है। चुनाव के समय वे किसी को भी नाराज नहीं करते लेकिन नतीजे आने के बाद उनका व्यवहार दूसरा हो जाता है। यह बात सभी नेताओं पर भले ही लागू न हो लेकिन ज्यादातर ऐसा ही व्यवहार करते हैं। इसके साथ ही नेता ऐसे जवाब देने से बचते हैं जो सत्य हैं लेकिन विवादित हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों दीपावली पर आतिशबाजी व पटाखों को लेकर जिस वाक्पटुता से जवाब दिया, उसका कोई जोड़ नहीं मिलता। यह तो सभी जानते हैं कि दीपावली पर जमकर पटाखे फोड़े जाते हैं और इससे वायु प्रदूषण भी होता है। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इसी विषय को लेकर सवाल पूछा तो सीएम ने कोई ढुलमुल जवाब न देकर सपाट लहजे में कहा कि पटाखों के चलते वायु प्रदूषण कुछ समय के लिए हो गया तो इससे क्या फर्क पड़ता है। पटाखे चलने बंद हो गये हैं तो प्रदूषण भी अपने आप खत्म हो जाएगा। जवाब तार्किक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि योगी आदित्यनाथ जिस प्रबल हिन्दू एजेंडे के लिए जाने जाते हैं, उसका संदेश भी उन्होंने दे दिया। योगी ने कहा, थोड़ी देर के लिए प्रदूषण हो गया तो क्या, लोगों को त्योहार का मजा तो भरपूर आया। योगी ने इसी क्रम में भ्रष्टाचार के प्रदूषण का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार को लेकर इसी तरह से चिंता क्यों नहीं जतायी जाती जिसने पूरे सिस्टम को ही प्रदूषित कर रखा है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर प्रदूषण को लेकर आलोचना करने वालों को अपने अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, अगर पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया?



अरे हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा। अच्छा किया लोगों ने कि बहुत धूम–धड़ाके के साथ दीपावली मनाई, खूब आतिशबाजी की।

मुख्यमंत्री योगी राजस्व विभाग के लिए नवचयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति–पत्र एवं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि के वितरण हेतु लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, जिन लोगों ने अपने कारनामों से सिस्टम को प्रदूषित कर दिया, उन पर कोई बोलता नहीं और पब्लिक एक दिन पटाखा आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया। उन्होंने कहा कि अगर हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा, कोई समस्या नहीं है।

दीपावली पर सीएम योगी ने बधाई देते हुए कहा लोगों ने धूमधाम से दीपावली मनायी, अच्छा किया हमने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया, मैंने भी अयोध्या में आतिशबाजी में था। उन्होंने कहा कि दीपावली गोवर्धन पूजा के साथ आज भाई दूज भी मनाया जा रहा है। उन्होंने ऐलान किया कि 60 वर्ष से उम्र की महिलाओं से कोई किराया नहीं लिया जाएगा। यहां बता दें कि दीपावली के बाद कई शहरों एम् गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। राजधानी लखनऊ में एक्यूआई 500 पार कर गया था, जोकि सेहत के लिए बेहद खराब है। इसके अलावा कानपुर में आतिशबाजी के बाद एक्यूआई 1400 पार कर गया। जिसके बाद आतिशबाजी को लेकर आलोचना की गयी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी का बचाव किया, उन्होंने पर्व को लेकर सवाल उठाने वालों पर निशाना साधा है। उनके मुताबिक पर्व एक या दो दिन का होता है। इसलिए इस तरह का आरोप नहीं लगना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ने का बचाव करते हुए कहा कि उत्सवों से होने वाला प्रदूषण अंततः समाप्त हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार को लेकर ऐसी चिंता क्यों नहीं दिखाई जाती, जिसने पूरे सिस्टम को दूषित कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने उत्सवों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है और इसके बजाय लोगों को पूरे मन से त्योहार मनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। योगी ने कहा आपने धनतेरस पर बाजारों में चहल–पहल देखी होगी।

कई लोगों ने दावा किया कि दिवाली से प्रदूषण होता है। खैर, अगर ऐसा होता भी है, तो वह आखिरकार खत्म हो जाएगा, योगी आदित्यनाथ ने एक सरकारी कार्यक्रम में यह कहा। योगी ने कहा लोगों को खूब आतिशबाजी करते और आनंद लेते देखना बहुत अच्छा लगा। मैं अयोध्या में था। ऐसा लगता है कि जब भी लोग कोई त्योहार मनाते हैं, तो अचानक दूसरे लोग प्रदूषण की बात करने लगते हैं, उन्होंने उस कार्यक्रम में कहा, जहां उन्होंने किसान परिवारों के लिए बीमा और सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 4,300 लाभार्थियों को औपचारिक रूप से 215 करोड़ रुपये जारी किए। योगी ने कहा 2017 से पहले, जब भी कोई त्योहार आता था, चाहे वह होली हो, दिवाली हो, विजयदशमी हो, जन्माष्टमी हो, शिवरात्रि हो, क्रिसमस हो, ईद हो, गुरु पर्व हो या मकर संक्रांति हो, उससे ठीक पहले दंगे भड़क उठते थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व उप निदेशक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन कहती हैं कि प्रदूषण पर होने वाली बहस के केंद्र में स्वास्थ्य को रखने की आवश्यकता है।



चुनावी रणनीति का केंद्र बनेगी कान्हा की नगरी



टी0आई0एल0 संवाददाता

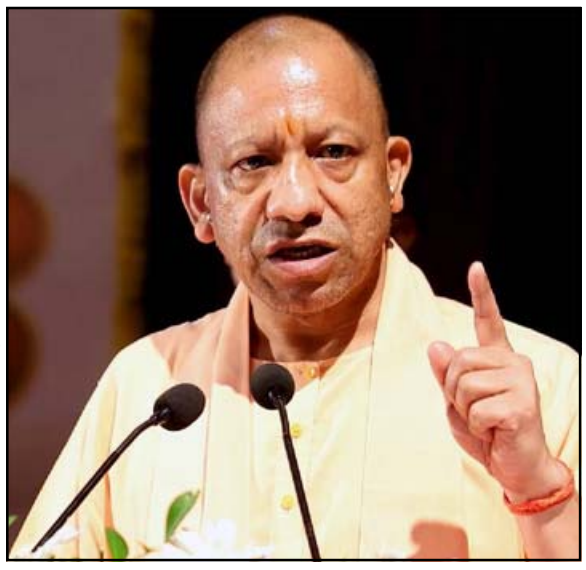
लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा अब कान्हा की नगरी से सियासी संदेश देने की तैयारी में है। अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा को लेकर पार्टी की रणनीतिक सक्रियता बढ़ती दिख रही है। इसी कड़ी में भाजपा का शीर्ष नेतृत्व 16 और 17 नवंबर को यहां दो दिवसीय चिंतन बैठक करेगा।

इसमें पार्टी के 35 से 40 वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बैठक में मौजूद रहेंगे। दो दिनों तक चलने वाले इस मंथन में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठन की मजबूती और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजनीतिक समीकरणों को साधने पर चर्चा होने की संभावना है।भाजपा की इस बैठक के राजनीतिक मायने भी काफी अहम माने जा रहे हैं। पार्टी अयोध्या में श्रीराम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम के बाद अब मथुरा को अपनी वैचारिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में रखने का संदेश देना चाहती है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान का मुद्दा लंबे समय से भाजपा की राजनीति के महत्वपूर्ण विषयों में शामिल रहा है। ऐसे में यहां शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी को केवल संगठनात्मक बैठक तक सीमित नहीं माना जा रहा। इसी वर्ष मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दर्शन–पूजन किया। उन्होंने अयोध्या और काशी की तर्ज पर मथुरा के भव्य विकास का संकेत दिया था। उनके इस बयान के बाद से ब्रज क्षेत्र में विकास और धार्मिक पर्यटन को लेकर सरकार की भावी योजनाओं पर चर्चा तेज हुई है।

छठ पर बसों में ज्यादा किराया वसूला तो होगी कार्रवाई

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। छठ महापर्व पर घर जाने वाले यात्रियों से बसों में निर्धारित किराये से अधिक वसूली करने पर परिवहन निगम के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को यह निर्देश दिया।



उन्होंने दिल्ली से पूर्वांचल के जिलों के लिए अतिरिक्त बसें चलाने और घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर की शाम और 16 नवंबर की सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर पहुंचेंगे। ऐसे में सभी जिलों में समय रहते व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। लखनऊ, वाराणसी, गाजीपुर, गोरखपुर, बलिया, आजमगढ़, चंदौली, कानपुर समेत अन्य जिलों के घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों को परखा जाए।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। घाटों पर प्राथमिक चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। बिजली की निर्बाध आपूर्ति के साथ वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। नगर विकास और पंचायती राज विभाग घाटों के आसपास सफाई अभियान चलाएं। वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें और स्थानीय पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर काम पूरा कराएं।

नदियों और तालाबों में पानी की गहराई का आकलन कर खतरनाक स्थानों को चिह्नित किया जाए। ऐसे स्थानों पर बैरिकेडिंग के साथ चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। घाटों पर गोताखोर, नाव और जल पुलिस की तैनाती हो। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाए। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई जाए।



लोहिया संस्थान के कार्डियोलॉजी विभाग ने बनाया कीर्तिमान



टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के कार्डियोलाजी विभाग ने 15 वर्ष में दिल के पांच लाख मरीजों को ओपीडी में परामर्श दिया। वहीं, 51 हजार से अधिक मरीजों को भर्ती कर उपचार किया गया। वर्ष 2026 में ही 57 हजार से अधिक रोगियों ने ओपीडी में परामर्श हासिल किए, जबकि छह हजार मरीज भर्ती किए गए हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. भुवन चंद्र तिवारी ने विभाग के 15वें स्थापना दिवस समारोह में ये उपलब्धियां साझा कीं। निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने विभाग के विशेष गीत का लोकार्पण किया। केयरिंग हार्ट्स नाम से तैयार यह गीत विभाग की सेवा भावना, टीम के समर्पण और मरीजों की जान बचाने के संकल्प को दर्शाता है। प्रो. भुवन चंद्र तिवारी के मुताबिक, वर्ष 2011 में सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ विभाग अब आधुनिक उपचार कर रहा है। डीएम कार्डियोलाजी की सीटें भी एक से बढ़कर आठ हो गई हैं। 24 घंटे इमजरेंसी सुविधा मुहैया कराई जा रही है। विभाग में एआइ आधारित ओसीटी, आइवीयूएस की मदद से एंजियोप्लास्टी, एक्साइमर लेजर एंजियोप्लास्टी और हार्ट के वाल्व से जुड़ी जटिल प्रक्रियाएं की जा रही हैं।हार्ट फेल्योर, फेफड़ों की धमनियों में उच्च रक्तचाप और पेसमेकर मरीजों के लिए विशेष क्लीनिक संचालित है। विभाग स्टेमी केयर यूपी कार्यक्रम के जरिए ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में हार्ट अटैक के मरीजों को उपचार उपलब्ध करा रहा है।तीन कैथ लैब संचालित हैं और चौथा भी लगभग तैयार है। इस मौके पर सीएमएस प्रो. डा. विक्रम सिंह, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. डा. सुब्रत चंद्रा, एमएस प्रो. डा. अरविंद सिंह, डा. श्रीकेश और प्रो. डा. आशीष झा भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी 21 नवंबर को आएंगे लखनऊ, कौशल दीक्षा समारोह में आईटीआई टॉपर्स को करेंगे सम्मानित

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की बढ़ती सरगर्मियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 नवंबर को लखनऊ आएंगे। मोदी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल दीक्षा समारोह में देशभर के आईटीआई के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।



कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की ओर से हर वर्ष आईटीआई के देशभर के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू हुआ यह आयोजन अब तक दिल्ली के विज्ञान भवन में होता रहा है। पहली बार इसे दिल्ली से बाहर लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है।

समारोह में 40 ट्रेड और छह जोन के करीब 64 टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें छह विद्यार्थी उत्तर प्रदेश के हैं। कार्यक्रम में देशभर की आईटीआई के 1500 विद्यार्थी शामिल होंगे। शुक्रवार को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की टीम ने स्थानीय पुलिस–प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समारोह स्थल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया।

राजधानी की सड़कों पर नियमों की उड़ रही धज्जियां

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में ट्रैफिक नियमों का पालन करने में लोग संजीदा नहीं हैं। सख्ती के बावजूद धड़ल्ले से इनकी अनदेखी की जा रही है। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि रोजाना 2850 वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक महज 10 दिनों में ट्रैफिक पुलिस ने 28,500 से अधिक वाहनों के चालान किए हैं। इसके साथ ही 136 वाहनों को सीज भी किया गया है।

हनुमान सेतु मंदिर में पुजारियों और दुकानदारों का होगा सत्यापन

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। वीआइपी श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए हनुमान सेतु मंदिर की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। एनएसजी की रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा मानकों को पूरा किया जाएगा।

मंदिर में वीआइपी की आमद के चलते हैं राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की ओर से सुरक्षा जांच कराई गई थी। सुरक्षा की गुप्त रिपोर्ट के बाद मंदिर परिसर में सुरक्षा के इंतजाम बढ़ाने की तैयारी है।

इसके तहत मंदिर परिसर में दुकान लगाने वाले दुकानदारों और पुजारियों का सत्यापन कराया जाएगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में पूर्व सैनिकों की तैनाती की जाएगी। मंदिर प्रशासन की ओर से सुरक्षा संबधी व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

मंदिर परिसर में आने–जाने वाले लोगों पर नजर रखने के साथ सुरक्षा व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित किया जाएगा।

दुकानदारों और मंदिर से जुड़े लोगों का पूरा विवरण जुटाया जाएगा, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते नजर रखी जा सके।

बिहार में कौन है सुशासन कुमार!

मनोज कुमार अग्रवाल

बिहार पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। खाली खजाने के आरोपों के बीच 'मुफ्त की सौगातें' अलग सिरदर्द है। उधर, सुशासन कुमारों की प्रतिस्पर्धा चल रही है। इसकी शुरुआत नीतीश कुमार ने की थी। उससे पहले लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी का एक दशक से ज्यादा साम्राज्य चला। उसे जंगलराज की संज्ञा दी गयी थी। यह बात अलग है कि बिहार में दबंगों का कुनबा बढता ही जा रहा है और विधान भवन से लेकर संसद तक उनकी पहुंच है। हाल ही एक ऐसे ही विधायक ने राज्य सभा सांसद नीतीश कुमार जी को स्मरण कराया था कि उनकी (नीतीश की) राजनीति चमकाने के लिए 8 मर्डर तक करवाये । मजे की बात यह कि नीतीश कुमार अथवा उनके समर्थकों ने इसका खंडन भी नहीं किया था। आज से लगभग 21साल पहले 24 नवंबर 2005 को नीतीश कुमार ने बिहार की बागडोर संभाली थी। उनकी कार्यनीति ने कम से कम सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को यह भरोसा दिलाया था कि वे सुरक्षित हैं। इसीलिए नीतीश कुमार को सुशासन कुमार कहा जाने लगा था। अब नीतीश कुमार की जगह भाजपा के सम्राट चौधारी मुख्य मंत्री हैं । उनके कार्यकाल का अभी साल भी पूरा नहीं हुआ लेकिन उनकी पार्टी चाहती है कि बिहार का नया सुशासन कुमार घोषित हो जाये। इसीलिए जब जेडीयू नीतीश के 21 साल के कार्यकाल को लेकर सुशासन दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है और इसके तहत पूरे बिहार में 24 नवंबर को कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं , सम्राट चौधरी की सरकार भी 21 नवंबर को कार्यक्रम करने जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री भी शामिल होंगे। राज्य में नीतीश के 21 साल बनाम सम्राट के 210 दिनों के कार्यकाल की तुलना भी होने लगी है।



बिहार में 24 नवंबर को जेडीयू की तरफ से सुशासन दिवस मनाया जाएगा। उससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए सरकार के 1 साल के पूरा होने पर वैशाली में बड़ी जनसभा करेंगे।माना जा रहा है उसी समय कई घोषणा करेंगे और कई तोहफा देंगे। इसे एक तरह से सम्राट चौधरी के कार्यकाल की उपलब्धि के तौर पर बताया जाएगा। सम्राट चौधरी नीतीश कुमार से हटकर कुछ अलग दिखने की कोशिश तो कर रहे हैं लेकिन नीतीश कुमार की लकीर पार करना आसान नहीं है।

2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश के नेतृत्व में ही एनडीए को 202 सीटों का प्रचंड बहुमत मिला। नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार भी बनी लेकिन सरकार के 6 महीने भी नहीं हुए कि नीतीश ने कुर्सी बीजेपी के सम्राट चौधरी को सौंप दी। सम्राट चौधरी 15 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री बने हैं। हालांकि कानून–व्यवस्था से लेकर खाली खजाने तक को लेकर उन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नीतीश कुमार के कई फैसलों को बदलने की चर्चा भी होती रही है। चाहे वह शराबबंदी हो या फिर 125 मिनट फ्री बिजली देने का फैसला हो, जेडीयू की तरफ से एक मैसेज देने की कोशिश हो रही है कि नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उससे बिहार बदला है। बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी के बिना किसी का सरकार चलाना संभव नहीं है। इस बात को जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा लगातार कहते भी रहे हैं। अब 2005 से लेकर 2026 के शुरुआती महीना तक नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उसे एक बार फिर से जनता को बताने की तैयारी है। इसी क्रम में 17 नवंबर से 19 नवंबर तक सभी पंचायत और वार्ड स्तर पर सुशासन नीतीश परिचर्चा का भी आयोजन होगा। 20 नवंबर से 22 नवंबर तक प्रखंड स्तर पर बैठक होगी और फिर 24 नवंबर को सभी जिले में सुशासन दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें नीतीश संवाद किया जाएगा।

जेडीयू नेताओं का कहना है कि 2005 में जब नीतीश कुमार को बिहार की कुर्सी मिली थी तो उस समय कानून–व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी। खजाना खाली था लेकिन नीतीश कुमार ने अपने विजन से बिहार में सुशासन का राज्य स्थापित किया और बिहार को विकास को पटरी पर लाये। हालांकि कुछ लोग कहते हैं कि अभी सम्राट चौधरी की तुलना पूर्व सीएम नीतीश कुमार से करना ठीक नहीं है। नीतीश कुमार ने अभूतपूर्व काम किया है। उन्होंने अपने काम से बिहार को बदला है। बिहार में सुशासन का राज स्थापित किया है और इसीलिए हम लोग सुशासन दिवस के रूप में 24 नवंबर को मनाने जा रहे हैं।अभी सम्राट चौधरी के कार्यकाल से तुलना की कोई जरूरत ही नहीं है। बतौर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने 21 वर्षों के कार्यकाल में कई बड़े फैसले लिये हैं, जो मील का पत्थर साबित हुए। इनमें छात्रों के लिए साइकिल पोशाक और छात्रवृत्ति योजना, सात निश्चय योजना, कृषि रोड मैप लागू करना, जल जीवन हरियाली अभियान, पंचायत में महिलाओं के लिए 50 फीसदआरक्षण, विश्व बैंक से लोन लेकर जीविका की शुरुआत, पूर्ण शराबबंदी, 125 यूनिट फ्री बिजली, सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 फीसद आरक्षण, 10 लाख नौकरी और 40 लाख रोजगार और महिलाओं को रोजगार के लिए 10,000 की राशि मुहैया कराना शामिल है।

उधर, सम्राट चौधरी के 210 दिनों की उपलब्धि भी गिनाई जा रही है। बतौर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी अपने 210 दिनों के कार्यकाल में कई अहम निर्णय लिये हैं। इनमें 11 सैटलाइट टाउनशिप विकसित करने का फैसला, स्टेट हाईवे और महत्वपूर्ण पुलों पर टोल टैक्स वसूलना, पंचायत में संपत्ति कर, नदियों से गाद निकालना, शिक्षक बहाली का फैसला और एआई आधारित डाटा सेंटर खोलना शामिल है। सम्राट चौधरी की सरकार नीतीश कुमार के ही कई फैसलों पर अभी काम कर रही है, जिसमें एक करोड़ नौकरी रोजगार का फैसला हो या सात निश्चय तीन का मामला हो या फिर कृषि रोड मैप हो साथ ही न्याय के साथ विकास या फिर महिलाओं को रोजगार के लिए राशि देने का मामला हो। नीतीश कुमार के फैसलों से बाहर निकलना सम्राट चौधरी के लिए अभी आसान नहीं है। राजनीतिक विशेषज्ञ कहते हैं कि 20 सालों में नीतीश कुमार ने कई बड़े फैसले लिये हैं। बिहार के विकास में उन्होंने ही आधार बनाया है। चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो या सड़क निर्माण का क्षेत्र हो, महिला सशक्तिकरण का क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में उन्होंने काम किया है। इस लिहाज से अभी सम्राट चौधरी को काफी काम करना होगा। नीतीश कुमार ने बिहार के विकास को लेकर एक लंबी लकीर खींची है। सम्राट चौधरी का अभी छोटा कार्यकाल है क्योंकि पहले कोई लकीर ही नहीं थी तो नीतीश कुमार की लकीर लंबी है और उस लकीर को छोटा करने के लिए सम्राट चौधरी को बड़ी लकीर खींचनी होगी।

मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार के कई फैसलों को बदलने की कोशिश भी की है। इसमें स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के चार लाख के लोन को लेकर जो फैसला बदलने की कोशिश हुई, उसमें यू टर्न लेना पड़ा।

नीतीश कुमार ने 125 यूनिट फ्री बिजली देने का फैसला लिया था लेकिन अब सम्राट चौधरी कहते हैं कि जो संपन्न लोग हैं, वह फ्री बिजली छोड़ दें। अगले महीने अर्थात 1 दिसंबर से उसके लिए बड़ा अभियान भी चलाएंगे। इसको लेकर भी विवाद हो रहा है, विपक्ष को भी हमला करने का मौका मिल रहा है। कांग्रेस कहती है कि कहां तो एक समय पूरे देश में जो बिहार करता है, उस पर अमल करने की बात हो रही थी, अब तो फ्री बिजली को बदलने पर काम हो रहा है। आने वाले दिनों में महिलाओं को जो राशि दी गई है, उसे भी वापस करने की बात कही जा सकती है। भाजपा प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल का कहना है कि सम्राट चौधरी को कुछ और समय मिलना चाहिए। बहरहाल, कानून व्यवस्था को लेकर जिस प्रकार से सवाल उठ रहे हैं और विपक्ष को भी हमला करने का मौका मिलता है। कानून व्यवस्था बेहतर करना एक बड़ा चैलेंज है।

फ्रॉड' एसआईआर भंग करें

अब धीरे–धीरे साबित हो रहा है कि मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के नाम पर जो 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) किया गया अथवा अब भी जारी है, वह गलत, विरोधाभासी और फ्रॉड है। अब सत्ताधारी भाजपा भी इसका शिकार हो रही है। जिन 13 राज्यों, संघशासित क्षेत्रों में एसआईआर किया जा चुका है, वहां भी यह प्रक्रिया 'फ्रॉड' करार दी गई है, लेकिन उसे विपक्ष का 'राजनीतिक प्रलाप' मान लिया गया। अब उप्र के भाजपाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वोट चोरी' तो नहीं कहा, लेकिन सवाल उठाया है कि विधानसभा की मतदाता सूची में 16 करोड़ से अधिक नाम होने चाहिए, लेकिन 13 करोड़ नाम ही हैं। ऐसा क्यों है? हम असल आंकड़ा बता देते हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, उप्र के पंचायत, नगर निकाय की मतदाता सूची में 16.90 करोड़ से अधिक नाम हैं, जबकि विधानसभा सूची में 13.56 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हैं। अंतर 3.34 करोड़ मतदाताओं का है। यह गंभीर और जनादेश को प्रभावित करने वाला अंतर है। मुख्यमंत्री ने यह भी चिंता जताई है कि सूची से 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम गायब हैं। पंचायत सूची में दर्ज करीब 66 लाख वोटर और सरकारी योजनाओं के करीब 55 लाख लाभार्थियों के नाम और 18–19 साल के करीब 4.50 लाख मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जोड़े गए हैं। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इन आंकड़ों की जानकारी कैसे मिली? क्या इससे चुनाव आयोग और भाजपा की 'सांठगांठ' साबित होती है?

गैंगस्टर पर निशाना

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी को मिली कथित धमकी गंभीर चिंता जगा रही है। पार्टी के एक प्रमुख विधायक के पास यह धमकी फोन कॉल और वाट्सएप के जरिये पहुंची है।

धमकी की पूरी तहकीकात होनी चाहिए। इसमें कितना बल है या केवल मजाक किया गया है? मकसद चाहे जो हो, जांच पूरी होनी चाहिए। एक पूर्व मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी देना साधारण बात नहीं है। सात करोड़ की फिरौती मांगी गई है और फिरौती न मिलने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। पंजाब में शिकायत दर्ज हुई है और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार को जल्द से जल्द पड़ताल को अंजाम तक पहुंचाना चाहिए। संदिग्ध के कॉल रिकॉर्ड, आईपी लॉग और लोकेशन की पुख्ता जांच होनी चाहिए। क्या यह जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की साजिश है? यह गैंगस्टर आए दिन हाई–प्रोफाइल हस्तियों को निशाना बनाने लगा है। लोग भूले नहीं हैं, पिछले महीने मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर तीन हमलावरों द्वारा गोलीबारी के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। बिश्नोई गिरोह लगातार खतरा बन रहा है। क्या फिल्म स्टार, उद्योगपतियों के बाद यह गिरोह राजनेताओं को निशाने पर लेना चाहता है? अगर ऐसा है, तो अरविंद केजरीवाल को मिली धमकी आखिरी नहीं है। गौर करने की बात है, महाराष्ट्र के राजनेता बाबा सिद्दीकी की अक्तूबर 2024 में हत्या कर दी गई थी। इस गिरोह की बढ़त बेहद गंभीर आपराधिक मामला है। इसके तार विश्व स्तर पर फैल चुके हैं। खासकर अमेरिका में इसकी मजबूती ध्यान खींच रही है। अमेरिका में रहने वाले अनिल पंडित ने टाइगर श्रॉफ पर हमले की जिम्मेदारी ली थी, तो अमेरिका में ही रह रहे सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बरार को अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई खोज रही है। जिस गिरोह को अमेरिका भी गंभीरता से निशाना बना रहा है, क्या हमारी सुरक्षा एजेंसियां भी उतनी ही गंभीर हैं? बिश्नोई गिरोह विदेश में अब भारतीय शूटरों का ही नहीं, वहां के स्थानीय शूटरों का इस्तेमाल करने लगा है। विडंबना ही है, गिरोह का मुखिया भारतीय जेल में बंद है, तब उसकी साजिशों में कमी नहीं दिख रही है।

शादी से 20 दिन पहले जवान अक्षय कुमार की मौत



शिमला, एजेंसी। उपमंडल भोरंज के तहत रुठानी गांव के सेना में सेवाएं दे रहे जवान अक्षय कुमार (26) की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उत्तराखंड के जोशीमठ में तैनात अक्षय की मौत का कारण हृदयघात होने की आशंका जताई जा रही है।

परिवार में इन दिनों बेटे की शादी की तैयारियां चल रही थीं। तीन दिसंबर को अक्षय की शादी होनी थी, लेकिन विवाह से महज 20 दिन पहले उनकी मौत की खबर ने घर की खुशियों को मातम में बदल दिया।

अक्षय कुमार 16 दिसंबर 2020 को सेना में भर्ती हुए थे। देशसेवा का जज्बा लेकर सेना में शामिल हुए अक्षय अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। उनके पिता राज कुमार कारोबारी हैं, जबकि माता सरोज कुमारी गृहिणी हैं। बेटे की असमय मौत की सूचना मिलने के बाद माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में बेटे के सिर पर सेहरा सजाने की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

अक्षय की मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जवान की असमय मौत से हर कोई स्तब्ध है। नंधन पंचायत के प्रधान रवि कुमार ने बताया कि अक्षय कुमार सेना में सेवाएं दे रहे थे। उनकी मौत से परिवार और गांव को गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने बताया कि जवान की पार्थिव देह घर पहुंचने में एक से दो दिन का समय लग सकता है।

ट्रंप ने कांग्रेस से मांगे अरबों डॉलर



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हवाई उड़ानों में आई बड़ी रुकावट के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को पूरी तरह बदलने की मांग तेज कर दी है।

उन्होंने कांग्रेस से इसके लिए जल्द से जल्द अतिरिक्त फंड मंजूर करने को कहा है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका का मौजूदा एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम करीब 50 साल पुराना है और अब इसे थोड़ा-थोड़ा सुधारने के बजाय एक साथ पूरी तरह आधुनिक बनाने की जरूरत है।

कोटा में प्रसूता की मौत के बाद जागा चिकित्सा विभाग, अब पूरे संभाग की रेफरल व्यवस्था की होगी जांच



कोटा, एजेंसी। प्रसूता की मौत के मामले ने प्रदेश की मातृ स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पतालों के बीच रेफरल व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अब इस घटना के बाद पूरे कोटा संभाग में गर्भवती महिलाओं के इलाज, जांच और आपात स्थिति में उन्हें बड़े अस्पतालों तक पहुंचाने की व्यवस्था की समीक्षा करेगा। खास तौर पर यह देखा जाएगा कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में गंभीर स्थिति वाली गर्भवती महिलाओं को समय पर उचित उपचार मिल रहा है या नहीं।प्रसूता प्रीति महावर की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यवाहक निदेशक आरसीएच डॉ. रोमेल सिंह को कोटा संभाग भेजकर मातृ स्वास्थ्य सेवाओं और रेफरल सिस्टम की जमीनी स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए हैं।बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रसव के बाद प्रीति महावर की तबीयत गंभीर हो गई थी। जांच में लिवर फंक्शन में अत्यधिक खराबी सामने आई। बाद में फुलमिनेंट हेपेटिक फेल्योर और मल्टी ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम की स्थिति विकसित हो गई।



उत्तराखंड में बढ़ी चहल-पहल

रमेश सर्राफ

उत्तराखंड की पावन नगरी हरिद्वार में हर की पौड़ी पर स्नानार्थियों की भीड़ प्रातः 4 बजे से ही जुटने लगती है। इस बार भी दशहरा के दौरान नहर की सफाई के लिए हर की पौड़ी श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दी गयी थी। इसे दीपावली के दिन से खोल दिया गया है। यहां पर श्रद्धालुओं की संख्या दिन पर दिन बढ़ रही है। अन्य धार्मिक कार्य भी विधिवत शुरू हो गये हैं। इसी प्रकार नैनीताल की नैनी झील में गुनगुनी धूप में पर्यटक बोटिंग कर रहे हैं। पर्यटकों से उत्तराखंड में चहल पहल बढ़ी है और व्यापारी भी खुश हो रहे हैं।



हरिद्वार में दशहरे से बंद गंगा की धारा दीपावली के दिन फिर से शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की ओर से नहर की सफाई पूरी होने के बाद पानी छोड़ा गया, जिसके साथ ही हरिद्वार के हर की पौड़ी घाट पर रौनक लौट आई है। कई दिनों से सूने पड़े घाटों पर अब श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। गंगा में स्नान के साथ अस्थि विसर्जन, तर्पण और दूसरे धार्मिक अनुष्ठान भी फिर से शुरू हो गए हैं। श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से बाजारों, होटलों और धर्मशालाओं में भी चहल–पहल लौट आई है। दशहरे की रात से बंद गंगा को दीपावली के दिन फिर से खोल दिया गया है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग ने सफाई का काम पूरा करने के बाद नहर में पानी छोड़ दिया है। हरिद्वार से उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात तक जाने वाली इस नहर में पानी आते ही धर्मनगरी की रौनक लौट आई है। पिछले कई दिनों से सूने पड़े घाटों पर एक बार फिर श्रद्धालुओं की चहल–पहल शुरू हो गई है।

दशहरे के दिन गंगा में पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। इस दौरान सिंचाई के साथ हर की पौड़ी पर होने वाले धार्मिक कार्य भी प्रभावित हुए थे। घाटों पर पानी नहीं होने के कारण वहां सन्नाटा पसरा हुआ था। इस दौरान गुजरात और दूसरे राज्यों से हरिद्वार पहुंचे यात्रियों को भी निराश होकर लौटना पड़ा था। दूर–दराज से हर की पौड़ी पर स्नान करने आए कई श्रद्धालु बिना डुबकी लगाए ही वापस चले गए थे। गंगा बंदी के दौरान हर की पौड़ी पर पानी नहीं होने से बाहर से आए यात्रियों के साथ स्थानीय व्यापारियों ने भी सवाल उठाए थे। लोगों का कहना था कि त्योहार के समय घाटों पर कम से कम इतना पानी जरूर होना चाहिए, जिससे श्रद्धालु स्नान कर सकें। व्यापारियों ने भी इस व्यवस्था पर नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि घाटों पर पानी नहीं होने के कारण यात्री हरिद्वार में रुक नहीं रहे थे। दशहरे से दीपावली तक बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और कारोबार भी प्रभावित हुआ।

दीपावली के दिन गंगा में पानी छोड़े जाने के बाद हर की पौड़ी समेत सभी प्रमुख घाटों की तस्वीर बदल गई है। सुबह से देर शाम तक घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिल रही है। देश के अलग–अलग राज्यों से लोग अपने परिवार के साथ हरिद्वार पहुंच रहे हैं। गंगा की बहती ध ारा में स्नान कर श्रद्धालु काफी खुश नजर आ रहे हैं। घाटों पर फिर से पहले जैसी चहल–पहल दिखाई देने लगी है। गंगा में पानी आने से उन लोगों को भी राहत मिली है, जो अपने पितरों के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराने हरिद्वार पहुंच रहे हैं। पिछले दिनों पानी नहीं होने के कारण अस्थि विसर्जन और तर्पण जैसे धार्मिक कार्य प्रभावित हो रहे थे। अब घाटों पर पानी आने से श्रद्धालु इन संस्कारों और पूजा–पाठ को आसानी से पूरा कर पा रहे हैं। पुरोहितों के मंत्रोच्चार से हर की पौड़ी क्षेत्र में एक बार फिर धार्मिक माहौल बन गया है।

उधर, उत्तराखंड की सरोवर नगरी नैनीताल में सर्दियों का असर साफ दिखाई देने लगा है। सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ रही है, जबकि दिन में खिलने वाली गुनगुनी धूप मौसम को खुशनुमा बना रही है। पहाड़ों पर पड़ती हल्की सुनहरी धूप और ठंडी हवाओं के बीच शहर की खूबसूरती देखते ही बन रही है। सर्दियों के मौसम में नैनीताल की पहाड़ियां बेहद खूबसूरत नजर आने लगी हैं। सुबह और दोपहर के समय पहाड़ों पर पड़ने वाली हल्की सुनहरी धूप यहां के नजारों को खास बना देती है। दूर तक फैली हरियाली और धूप से रोशन पहाड़ियों का नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। नैनीताल की पहचान नैनीझील सर्दियों में भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। ठंडी हवाओं के बीच झील का शांत पानी और उसके आसपास बसी पहाड़ियों का प्रतिबिंब बेहद मनमोहक दिखाई देता है। झील किनारे बैठकर गुनगुनी धूप का आनंद लेना पर्यटकों के लिए किसी खास अनुभव से कम नहीं है। नैनीताल की प्रसिद्ध मॉल रोड सर्दियों में भी चहल–पहल से गुलजार नजर आ रही है। कोई झील किनारे टहलता दिखाई देता है तो कोई खूबसूरत वादियों के बीच तस्वीरें खिंचवाता नजर आता है।

ठंडी हवाओं और गुनगुनी ध ूप के बीच मॉल रोड की सैर पर्यटकों को खूब पसंद आ रही है। उत्तराखंड की सरोवर नगरी नैनीताल में नैनीझील के किनारे का नजारा इन दिनों पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रहा है। झील के किनारे बना खूबसूरत बोट स्टैंड और उसके पीछे नजर आती हरी–भरी पहाड़ियां शहर की लगी है।

पुनः राजनीति का केंद्र बिंदु बनती अयोध्या

डा0 उदय प्रताप सिंह तोमर

उच्चतम न्यायलय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद अयोध या में श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य–भव्य राम मंदिर का निर्माण हो चुका है।अयोध्या का दीपोत्सव गिनीज बुक में स्थान बना चुका है।अयोध्या विश्व के पर्यटन मानचित्र पर चमक रही है।अयोध या की आर्थिकी में नए स्तर पर पहुँच चुकी है। चिर पुरातन अयोध या पौराणिक मान्यताओं और आध ुनिक विकास के समन्वय का प्रतीक बन गई है। इतने वर्षों में अयोध्या और अयोध्या से जुड़ा बहुत कुछ बदल गया है जो नहीं बदला है वो है अयोध्या को लेकर राजनीति का तापमान।



वैसे तो राम मंदिर और अयोध या को लेकर भाजपा तथा उसके विरोधी दलों में आरोप प्रत्यारोप हमेशा चलते रहते हैं किन्तु अब कारसेवकों पर गोलियां चलाने वाली सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन करने की बात कहकर अयोध्या के नाम पर सियासत को नया रंग देने का दांव चला है। अखिलेश लम्बे समय से फैजाबाद की लोकसभा सीट पर सपा की जीत को ट्रॉफी की तरह लेकर घूम रहे हैं। सपा मुखिया अयोध्या को लेकर ऐसे चुनावी वादे कर रहे हैं कि सुनकर किसी को भी हंसी आ जाए, वो अयोध्या को सनातन तीर्थाटन की वैश्विक राजधानी बनाने की बात कर रहे हैं, जो योगी जी पहले ही बना चुके हैं। सरकार बनने पर राम मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और कथित जमीन घोटाले की जांच कराने की घोषणा कर रहे हैं, जो पहले से ही चल रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपा मुखिया पर हमलावर होना स्वाभाविक ही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर ही सपा मुखिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि वह पहले पूर्व में किए गए पापों के लिए माफी मांगे और फिर अयोध्या आयें। अयोध्या के संत समाज ने भी सपा मुखिया से माफी मांगने की अपील करते हुए कहा है कि माफी मांगे बिना अखिलेश को अयोध्या की पंचकोसी की शास्त्रीय सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। कारसेवकों के बलिदान की अनदेखी नहीं का जी सकती। संतों ने रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोली चलवाने और संतो पर लाठीचार्ज कराने की घटनाओं पर सपा नेतृत्व से जवाब मांगा है। संतों का कहना है कि उन्हें अखिलेश के अयोध्या आने, रामलला के दर्शन करने या सरयू में स्नान करने पर आपत्ति नहीं है लेकिन कारसेवकों के बलिदान को अनदेखी कर उनका स्वागत नहीं किया जा सकता। अयोध्या आने से पहले उन्हें कारसेवकों के परिजनों से माफी मांग कर प्रायश्चित करना चाहिए। संत समाज ने सपा मुखिया के प्रस्तावित दौरे को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताते हुए कहा कि वह पहले अपना पक्ष स्पष्ट करें। सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सपा मुखिया अयोध्या, मथुरा काशी तो गए लेकिन कभी प्रभु श्रीराम, काशी विश्वनाथ और श्रीकृष्ण के दर्शन तक नहीं किए। सपा मुखिया को छह दिसंबर को अयोध्या जाकर रामलला के सामने सिर झुकाकर माफी मांगनी चाहिए। सपा मुखिया पीडीए पर बहुत बल दे रहे हैं अतः उन्हें यह तथ्य भली भांति पता होना चाहिए कि पीडीए समाज ने राम मंदिर निर्माण के आंदोलन में अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाई थी। सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव ने जिन रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं उनमें अधि ाकांशतः पीडीए समाज के ही लोग थे।

सपा के पार्टी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया गया है जिसमें पीडीए को एक नया अर्थ देते हुए पी को पहले, डी को दर्शन और ए को आशीर्वाद बताते हुए पीडीए अर्थात आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी लिखा है। सपा मुखिया द्वारा पीडीए के पारपंरिक राजनीतिक समीकरण को आस्था और दर्शन के साथ जोड़ने की इस रणनीति को पीडीए समाज के बीच अपनी पकड़ को मजबूत करने की दष्टि से देखा जा रहा है। भारी राजनीतिक दबाव पड़ने के बाद सपा मुखिया बयान दे रहे हैं कि "भगवान सबके हैं" वह अयोध्या, मथुरा, काशी केदारेश्वर सभी जगह जाएंगे। राजनीतिक रूप से कहा जा सकता है कि सपा हिंदुत्व की लहर के कारण असहज है। एक ओर सपा मुखिया अयोध्या जाने का ऐलान करते हैं वहीं दूसरी ओर मुस्लिम वोट बैंक की नाराजगी के डर से जेल में आजम खान से मिलने जाते हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अयोध्या आने की बात कही वहीं उनकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने अंग्रेजी समाचार पत्र गार्जियन को दिए गए साक्षात्कार में कहा है कि जब छह दिसंबर1992 को अयोध या में बाबरी मस्जिद का विध्वंस हो रहा था तो उस दृश्य को टीवी पर देखकर वे खूब रो रही थीं, ऐसा जी जिक्र उन्होंने अपनी किताब में भी किया है। सपा मुखिया के क्या विचार हैं? छह दिसंबर 1992 की घटना के बाद जिस प्रकार से भयावह दंगे हुए और शहर –शहर कर्फ्यू लगा दिया गया क्या सपा मुखिया अपने पूर्वजों के उन कृत्यों के लिए माफी मांगेंगे? सपा मुखिया 30 अक्टूबर तथा दो नवम्बर 1990 की घटनाओं पर स्वयं तो चुप हैं किंतु उनके सांसद उस वीभत्स कृत्य पर बयानबाजी कर रहे हैं। सपा सांसद एस.पी. सिंह पटेल ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुलायम सिंह यादव ने जो कदम उठाया था वह बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा कि जब कारसेवक जबरदस्ती कर रहे थे तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने गोली चलवाई। सपा सांसद सनातन पांडेय और सलेमपुर से सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी भी कारसेवकों के नरसंहार का समर्थन कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में यही माना जाएगा कि सपा मुखिया निहित राजनैतिक स्वार्थ के लिए अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं।सपा मुखिया को लग रहा है कि जनमानस पुरानी घटनाओं को भूल जाता है और मात्र अयोध या जाकर उनको रिझाया जा सकता है।सपा के शासनकाल में रामभक्तों व सनातन हिंदू समाज पर वीभत्स अत्याचार हुए हैं। रामभक्तों पर गोली चलाने के बाद भी इनका दिल नहीं भरा था, रामायण व सुंदर कांड के पाठों का आयोजन भी अपराध हो गया था।

सूर्योपासना का अनुपम लोक पर्व छठ पूजा

श्रीमती कमलेश कुमारी

छठपूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाने वाला एक हिंदू पर्व है। सूर्योपासना का यह अनुपम लोक पर्व मुख्य रूप से पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। उत्तराखंड का उत्तरायण पर्व हो या केरल का ओणम, कर्नाटक की रथसप्तमी हो या बिहार का छठ पर्व, सभी इसका द्योतक हैं कि भारत मूलतरू सूर्य संस्कृति के उपासकों का देश है तथा बारह महीनों के तीज–त्योहार सूर्य के संवत्सर चक्र के अनुसार मनाए जाते हैं। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोकगाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी भरत राजाओं का यह मुख्य पर्व था। मगध के राजनीतिक इतिहास के साथ भी छठ की ऐतिहासिक कडियां जुड़ती हैं। छठ महापर्व का पहला दिन नहाय–खाय के रूप में मनाया जाता है। इस दिन व्रती स्नान करके घर और रसोई घर को साफ करते हैं। फिर शुद्ध और सात्विक भोजन तैयार किया जाता है। कई परिवारों में इस दिन चने की दान, लौकी की सब्जी और चावल बनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि नहाय–खाय के साथ शरीर और मन की शुद्धता का संकल्प लिया जाता है और छठ व्रत की शुरूआत की जाती है। छठ पूजा के दूसरे दिन यानी की 14 नवंबर को खरना के रूप में मनाया जाता है। इस दिन व्रती



सुबह से लेकर शाम तक व्रत करते हैं और सूर्यासत के बाद पूजा करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। परंपरा के मुताबिक इस दिन गुड़ की खीर, रोटी और केले जैसे प्रसाद बनाए जाते हैं। यह व्रत परिवार और आसपास के लोगों को भी दिया जाता है। फिर व्रती करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत करते हैं।छठ पूजा के मुख्य दिन यानी की 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन व्रती और परिवार के सदस्य पूजन सामग्री तैयार की जाती है। फिर बांस के सूप और डलिया में फल, ठेकुआ, गन्ना, नारियल और अन्य पारंपरिक प्रसाद को सजाया जाता है। फिर व्रती तालाब, नदी या निर्धारित घाट पर जाते हैं। शाम के समय डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए विशेष पूजा–अर्चना की जाती है।

छठ महापर्व के आखिरी दिन यानी की 16 नवंबर को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसको उषा अर्घ्य कहा जाता है। इस दौरान व्रती सूर्योदय से पहले पूजन सामग्री लेकर घाट पर जाते हैं और सूर्य देव की पहली किरण के साथ जल में खड़े होकर अर्घ्य दिया जाता है। इस दौरान परिवार की सुख–समृद्धि, सेहत और खुशहाली की कामना की जाती है। इस तरह से छठ पूजा के चार दिवसीय महापर्व का समापन होता है। छठ पूजा में पूजा सामग्री और प्रसाद का विशेष महत्व होता है। बांस का सूप, डलिया, ठेकुआ, गेहूं का आटा, नारियल, गुड़, चावल, केला, गन्ना और मौसमी फल पूजा में शामिल किए जाते हैं। छठ पूजा का प्रसाद तैयार करते समय साफ–सफाई और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है।दीपावली के एक सप्ताह पश्चात बिहार में छठ का पर्व मनाया जाता है। एक दिन व रात तक समूचा बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश गंगा के तट पर बसा प्रतीत होता है। इस दिन सूर्यदेव की उपासना व उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। भारत के बिहार प्रदेश का सर्वाधिक प्रचलित एवं पावन पर्व है सूर्यषष्ठी। यह पर्व मुख्यतरू भगवान सूर्य का व्रत है। इस व्रत में सर्वतोभावेन सूर्य की पूजा की जाती है। वैसे तो सूर्य के साथ सप्तमी तिथि की संगति है, किंतु बिहार के इस व्रत में सूर्य के साथ 'षष्ठी' तिथि का समन्वय विशेष महत्त्व का है।इस तिथि को सूर्य के साथ ही षष्ठी देवी की भी पूजा होती है। पुराणों के अनुसार प्रकृति देवी के एक प्रधान अंश को 'देवसेना' कहते हैं, जो कि सबसे श्रेष्ठ 'मातृका' मानी गई हैं। ये लोक के समस्त बालकों की रक्षिका देवी हैं। प्रकृति का छठा अंश होने के कारण इनका एक नाम षष्ठी भी है। षष्ठी देवी का पूजन प्रसार ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार राजा प्रियव्रत के काल से आरंभ हुआ, जब षष्ठी देवी की पूजा 'छठ मइया' के रूप में प्रचलित हुई। वास्तव में सूर्य को अर्घ्य तथा षष्ठी देवी का पूजन एक ही तिथि को पडने के कारण दोनों का समन्वय भारतीय जनमानस में इस प्रकार हो गया कि सूर्य पूजा और छठ पूजा में भेद करना मुश्किल है। वास्तव में ये दो अलग–अलग त्योहार हैं। सूर्य की षष्ठी को दोनों की ही पूजा होती है।संझा वाट रू दूसरे दिन चौबीस घंटे का उपवास प्रारंभ होता है। दिनभर प्रसाद बनाने की तैयारी होती है तथा संध्या को भक्तगण छठ मैया का गीत गाते हुए नदी तट, जलकुंड या तालाब पर पहुंच जाते हैं। वहां पर अस्त होते हुए सूर्य को उपर्युक्त प्रसाद का अर्पण किया जाता है। रात्रि के समय श्रद्धालु घर लौटते हैं, जहां पर एक अन्य महोत्सव प्रतीक्षारत होता है। गन्ने की टहनियों से बने एक छत्र के नीचे दीपयुक्त मिट्टी के हाथी व प्रसाद से भरे बर्तन रखे जाते हैं। श्रद्धालु उपवास के समय जल भी ग्रहण नहीं करते हैं। सूर्योदय से ठीक पहले भक्तगण नदी तट की ओर पुनरू छठ मैया के गीत गाते हुए प्रस्थान करते हैं तथा उदयमान सूर्य की उपासना–अर्चना करते हैं। प्रार्थना के पश्चात प्रसाद प्रदान किया जाता है।छठ बिहार का प्रमुख त्योहार है। छठ का त्योहार भगवान सूर्य को धरती पर धन–धान्य की प्रचुरता के लिए धन्यवाद देने के लिए मनाया जाता है। लोग अपनी विशेष इच्छाओं की पूर्ति के लिए भी इस पर्व को मनाते हैं। पर्व का आयोजन मुख्यतरू गंगा के तट पर होता है और कुछ गांवों में जहां पर गंगा नहीं पहुंच पाती है, वहां पर महिलाएं छोटे तालाबों अथवा पोखरों के किनारे ही धूमधाम से इस पर्व को मनाती हैं।

मुश्किल नहीं है डायबिटीज से बचाव



डायबिटीज का नाम सुनते ही लोग घबरा जाते हैं। तरह–तरह के परहेज और सावधानी को लेकर चिंताएं बढ़ने लगती हैं। ऐसे में अगर हम समय रहते जीवन को सेहतमंद बनाए रखने की आदत डाल लें, तो न केवल डायबिटीज बल्कि अन्य कई तरह की जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के जोखिम से बचे रहेंगे। डायबिटीज एक तरह का साइलेंट किलर है जो शरीर को धीरे धीरे कमजोर कर देता है।

इससे शरीर के महत्वपूर्ण अंग जैसे– किडनी, आंखें आदि प्रभावित होने लगते हैं। यदि आप पर्याप्त शारीरिक श्रम कर रहे हैं, स्वस्थ खानपान व कसरत करना नहीं भूलते तो डायबिटीज से आसानी से बचाव हो सकता है। पर, आपको यह भी याद रखना चाहिए कि लंबे समय तक बैठे रहना, शारीरिक मेहनत से जी चुराना, कुछ भी खा लेने की आदतों के कारण आप इसे आमंत्रण दे रहे हैं। लांसेट की एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि लगभग आधे भारतीयों की शारीरिक सक्रियता पर्याप्त नहीं है। वास्तव में अपनी जीवनशैली के प्रति बरती जाने वाली लापरवाही के कारण भारत आज डायबिटीज की वैश्विक राजधानी कहा जाने लगा है।

डायबिटीज के चपेट में आने से पहले लोग प्री–डायबिटीज स्टेज पर होते हैं। यह ऐसा चरण है जब शुगर का स्तर वहां नहीं होता जो डायबिटीज कहा जाए। बता दें प्री–डायबिटीज की पहचान ब्लड शुगर की जांच से हो सकती है। खाने से पूर्व यानी भूखे पेट ब्लड शुगर का स्तर 110 मिलीग्राम प्रति डीएल और खाने के बाद 140 मिलीग्राम प्रति डीएल तक है तो यह प्री–डायबिटीज अवस्था कही जाती है। आप यदि इस स्तर या अवस्था पर हैं तो इसका एक अर्थ कि आप भविष्य में डायबिटीज के शिकार हो सकते हैं।

wisdom360™
Cultivating Success
(AN IIT/IIM ALUMNI INITIATIVE)
Class V to XII
(CBSE & ICSE)
70072-79710
1/46 Rashmi Khand Sharda Nagar 226002.

आंध्र प्रदेश में रीन्यू का 80,000 करोड़ रुपए निवेश का ऐलान



कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की तकनीक से जुड़ी कंपनी रीन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी (रीन्यू) आंध्र प्रदेश में डिजिटल ढांचे और स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इससे राज्य में कंपनी का कुल निवेश बढ़कर 1,62,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस नए निवेश में अनाकापल्ली में 67,000 करोड़ रुपये का 1 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) क्षमता वाला ग्रीन हाइपर स्केल डेटा सेंटर, अनाकापल्ली और नेल्लूर में 11,000 करोड़ रुपये की पॉलिसिलिकन और मेटालर्जिकल सिलिकन इकाइयां और रामबिली में 1,500 करोड़ रुपये का स्थायी मैग्नेट संयंत्र शामिल हैं जिसके मार्च 2029 तक शुरू होने की उम्मीद है।

एक सूत्र के मुताबिक आंध्र प्रदेश में कंपनी का कुल निवेश बढ़कर 1,62,000 करोड़ रुपये हो जाएगा। इससे पहले रीन्यू ने वर्ष 2025 में 82,000 करोड़ रुपये निवेश का वादा किया था। रीन्यू आंध्र प्रदेश सरकार के साथ मिलकर विशाखापत्तनम में पांच औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के गाजुवाका संकुल को पीएम सेतु योजना के तहत रीन्यू तकनीक उत्कृष्टता केंद्र में बदलेगी।

जेनसन हुआंग ने एनवीडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ पद से दिया इस्तीफा

कृत्रिम मेधा यएआईद्ध के लिए चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे अग्रणी और प्रमुख कंपनी एनवीडिया के सह.संस्थापक जेनसन हुआंग ने तत्काल प्रभाव से कंपनी के अध्यक्षए मुख्य कार्यपालक अधिकारी यसीईओद्ध और निदेशक मंडल के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद कंपनी ने मुख्य वित्त अधिकारी यसीएफओद्ध कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की। हालांकिए कंपनी के बयान में हुआंग के इस्तीफे की वजह नहीं बताई गई है। इसके साथ ही एनवीडिया ने स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि निदेशक मंडल स्थायी



सीईओ के चयन के लिए आंतरिक और बाहरीए दोनों तरह के उम्मीदवारों पर विचार करेगा। क्रेस अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी संभालने के साथ सीएफओ का दायित्व भी निभाती रहेंगी।

इसके अलावा अमेरिकी कंपनी ने हार्वे सीण् जोन्स को निदेशक मंडल का पहला अध्यक्ष भी नियुक्त किया है। जोन्स इससे पहले चिप डिजाइन सॉफ्टवेयर कंपनी सिनॉप्सिस के सीईओ और कार्यकारी चेयरमैन रह चुके हैं।

जोन्स ने क्रेस को अंतरिम सीईओ बनाए जाने पर कहाए कोलेट ने एनवीडिया की असाधारण वृद्धि के दौर में नेतृत्व करने में मदद की है। उन्हें हमारे कारोबारए ग्राहकोंए परिचालन और वित्तीय स्थिति की गहरी समझ है। क्रेस ने कहा कि वह शिपछले 33 वर्षों में जेनसन यहुआंगद्ध की ओर से तैयार की गई असाधारण नींव को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।श् इस बीचए एनवीडिया ने कहा कि वह जुलाई.सितंबर तिमाही के नतीजे 17 नवंबर को अपने पूर्व.निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी करेगी। हुआंग के इस्तीफे से कुछ दिन पहले मीडिया में उनके एक चीनी कारोबारी महिला के साथ विवाहेतर संबंध होने की खबरें आई थीं। अमेरिकी अधिकारियों को इस महिला पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह जताया था।

उल्लेखनीय है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने इसके बाद स्वतंत्र जांच शुरू की थी कि कहीं हुआंग किसी विदेशी खुफिया अभियान का निशाना तो नहीं बने थे।

अमरीका में फिर ब्याज दरें बढ़ाने की तैयारी



वैश्विक बाजारों और भारतीय शेयर बाजार के लिए अमरीका से एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली खबर है। अमरीकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर जे. वॉलर ने साफ संकेत दिए हैं कि दिसंबर में होने वाली अगली एफओएमसी बैठक में ब्याज दरों में फिर से बढ़ोतरी की जाएगी। लंदन में आयोजित एक सम्मेलन में वॉलर ने कहा कि भले ही महंगाई के मोर्चे पर थोड़े सुधार दिखें, लेकिन वह दिसंबर की बैठक में ब्याज दरों को 25 बेसिस प्वाइंट (0.25 फीसदी) बढ़ाने के पक्ष में हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने एक बड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अक्तूबर महीने के महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा खराब आते हैं, तो ब्याज दरों में सीधे 50 बेसिस पॉइंट (0.50) की बड़ी बढ़ोतरी पर भी विचार करना होगा।

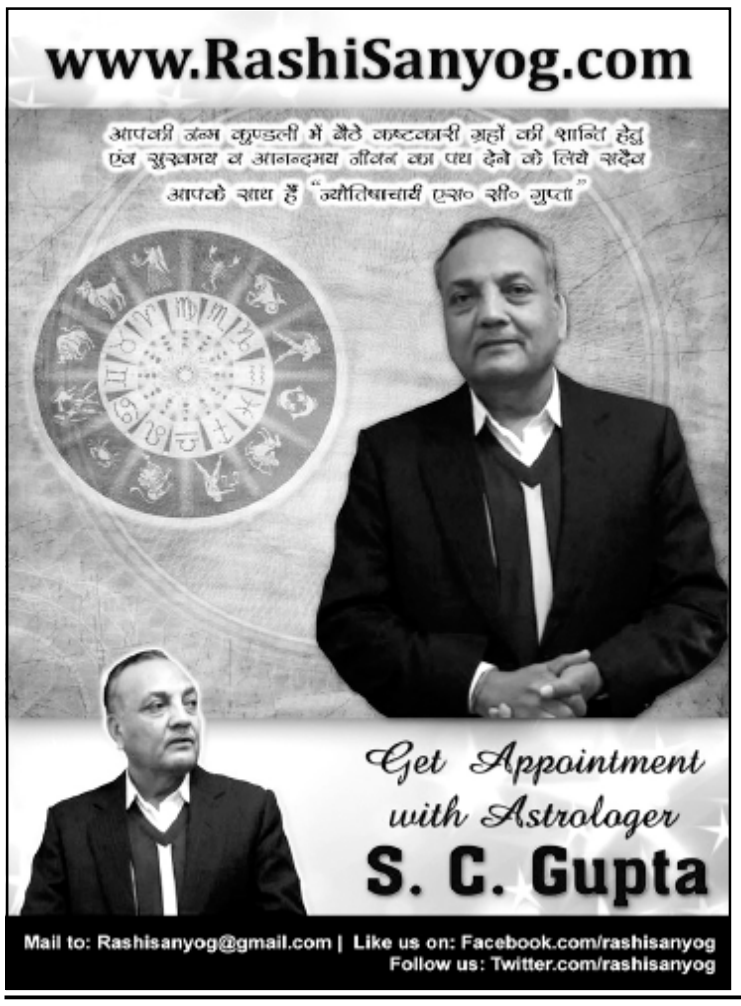
बता दें अमरीकी अर्थव्यवस्था इस समय मजबूत स्थिति में है, लेकिन महंगाई अभी भी वहां के नीति–निर्माताओं के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बनी हुई है। साल 2026 की तीसरी तिमाही में अमरीकी वास्तविक जीडीपी 3.4 फीसदी की मजबूत रफ्तार से बढ़ी है। फेडरल रिजर्व का मानना है कि जब तक महंगाई दर घटकर दो फीसदी के मध्यम अवधि के लक्ष्य पर नहीं आ जाती, तब तक मौद्रिक नीति को सख्त रखना ही होगा। गवर्नर वॉलर ने साफ शब्दों में कहा कि अगर अक्तूबर की महंगाई बढ़ी हुई दिखती है और हम सिर्फ 25 बेसिस प्वाइंट ब्याज दर बढ़ाते हैं, तो इससे केंद्रीय बैंक की साख खतरे में पड़ जाएगी। ऐसी स्थिति में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी जरूरी हो जाएगी।

जब भी अमरीका में ब्याज दरें बढ़ती हैं या बढने की आशंका होती है, तो उसका सीधा असर भारत सहित दुनिया भर के बाजारों पर पड़ता है। अमरीका में ब्याज दरें बढने से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकालकर अमरीकी सरकारी बॉन्ड्स में लगाने लगते हैं, क्योंकि वहां उन्हें सुरक्षित और ज्यादा रिटर्न मिलने लगता है। डॉलर मजबूत होने से भारतीय रुपए की कीमत पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे भारत के लिए आयात करना महंगा हो जाता है।

बजाज फाइनेंस में 5,800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी बजाज फिनसर्व



गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस में उसकी प्रवर्तक कंपनी बजाज फिनसर्व करीब 5,800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। बजाज फाइनेंस के निदेशक मंडल की विशेष समिति की मंगलवार को हुई बैठक में बजाज फिनसर्व को वरीयता के आधार पर 5,74,25,740 करोड़ परिवर्तनीय वारंट आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस वारंट को बाद में शेयर में बदला जा सकेगा। हर वारंट एक रुपये अंकित मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर के बराबर होगा। कंपनी ने बताया कि 1,010 रुपए प्रति वारंट की दर से जारी वारंट के उसे कुल 57,99,99,97,400 रुपए की पूंजी प्राप्त होगी। बजाज फाइनेंस का शेयर सोमवार 09 नवंबर 2026 को 1,065 रुपए पर बंद हुआ था। इस निवेश से बजाज फाइनेंस को अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए पूंजी की जरूरत पूरी करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय में एनबीएफसी से ऑनलाइन ऋण लेने वाले ग्राहकों की संख्या तेजी से बढ़ी है।



खाद्य तेल की आधी से ज्यादा जरूरत आयात से पूरी करता है भारत, बढ़ी चिंता : अशोक कुमार लाहिड़ी

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि भारत शायद अब भी विभिन्न खाद्य उत्पादों की आपूर्ति के मामले में पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश खाद्य तेलों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हालिड़ी ने कहा कि भारत खाद्य तेल की अपनी आधी से अधिक जरूरत आयात के जरिये पूरी करता है और यह आयात लगभग 1.7 करोड़ टन होने का अनुमान है, जिसका मूल्य करीब 20 अरब डॉलर है। इसी तरह भारत दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता दोनों ही है। वैश्विक स्तर पर दालों की कुल खपत में लगभग एक–चौथाई हिस्सेदारी भारत की रहती है जो सालाना लगभग 2. 5 करोड़ टन से 2.7 करोड़ टन है। लाहिड़ी ने कहा, 'हम वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ विकसित कृषि की बात कर रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या हम विभिन्न खाद्य उत्पादों की आपूर्ति के मामले में सुरक्षित हैं? शायद अभी नहीं।' उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि भारतीयों के खाने में इस्तेमाल होने वाला चना ऑस्ट्रेलिया से आता है, जबकि



मसूर का आयात ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से किया जाता है। कुछ अन्य दालें म्यांमार, अफ्रीका और रूस से भी आती हैं।

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN
ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

टी–20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम उम्र के कप्तान बने वैभव सूर्यवंशी



युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 15 साल और 232 दिन की उम्र में पुरुषों के टी–20 इतिहास में सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार के पहले मैच में उतरकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। यह सूर्यवंशी के छोटे से करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है। जिम्बाब्वे में भारत को अंडर–19 विश्व कप जिताने के दस महीने और भारत के लिए टी–20 डेब्यू के महज पांच महीने बाद उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

सूर्यवंशी के टीम में आने से बिहार को काफी मजबूती मिली है। टीम 2026–27 रणजी ट्रॉफी सीजन के पहले हिस्से में लगातार चार हार के बाद पहले से ही दबाव में थी। हालांकि, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद सूर्यवंशी सिर्फ 12 गेंदों पर 18 रन ही बना सके। उन्हें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया ने उन्हें अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इस मैच के बाद सूर्यवंशी केवल एक और एसएमएटी मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद वह दोहा में 19 नवंबर से शुरू होने वाले एसीसी राइजिंग स्टार्स एमर्जिंग टूर्नामेंट के लिए भारत ए टीम से जुड़ेंगे। यह टूर्नामेंट 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा।

भारत के लिए सूर्यवंशी का पिछला मैच न्यूजीलैंड दौरे पर था। उस मैच में उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ सिर्फ 7.1 ओवर में 133 रन की सलामी साझेदारी की थी और 19 गेंदों पर 45 रन बनाए थे। भारत ने वह सीरीज 3–2 से जीती थी और सूर्यवंशी ने उस सीरीज में दो टी–20 खेले थे। शनिवार का मैच बिहार के लिए सूर्यवंशी का आठवां टी–20 मैच था। यह कुल मिलाकर उनका 44वां टी–20 मैच था। इनमें से 23 मैच उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले हैं। पिछले साल नवंबर में उन्होंने एसीसी राइजिंग स्टार्ट टूर्नामेंट में भारत ए की ओर से यूएई के खिलाफ 42 गेंदों पर 144 रन बनाकर किसी भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज टी–20 शतक लगाया था।

भारत में फिर सजेगा आईसीसी टूर्नामेंट का महासंग्राम, 2029 और 2031के लिए हुआ बड़ा ऐलान



क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी ने 2035 तक के लिए पुरुष ग्लोबल क्रिकेट कैलेंडर जारी कर दिया है। आईसीसी की बैठक इंडोनेशिया के बाली में हुई, जिसमें 2035 तक के कैलेंडर को अंतिम मंजूरी दी गई है। इसके तहत भारत 2029 में चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा और 2031 में संयुक्त रूप से वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। इस शेड्यूल में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप, वनडे विश्व कप, चौंपियंस ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल शामिल हैं। कार्यक्रम के अनुसार, 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड संयुक्त रूप से टी–20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। इसके बाद 2030 में इंग्लैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड इस टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी करेंगे। टी–20 विश्व कप के अगले संस्करण 2032 और 2034 में आयोजित किए जाएंगे।

विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल पहले की तरह हर दो साल में जून महीने में आयोजित किया जाएगा। इंग्लैंड को 2029 और 2031 के फाइनल की मेजबानी सौंपी गई है।

आईसीसी पुरुष चौंपियंस ट्रॉफी का अगला संस्करण 2029 में भारत में खेला जाएगा। टूर्नामेंट नौ से 28 अक्तूबर तक होगा। इसके बाद 2033 में चौंपियंस ट्रॉफी का अगला संस्करण खेला जाएगा।



एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में फिर ऊंचा स्तर स्थापित करने उतरेंगे : सलीमा टेटे



भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026श में भी अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखेगी। तीन बार की चैंपियन यह टीम, इस साल शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब अपने घरेलू मैदान पर अपना खिताब बचाने के लिए तैयार है।

भारत इस टूर्नामेंट में पिछले महीने जापान में हुए एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उतर रहा है। इससे पहले टीम ने एफआईएच नेशंस कप भी जीता था और एफआईएच वर्ल्ड कप में पांचवां स्थान हासिल किया था, जो 1974 के बाद से उनका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

सलीमा का मानना है कि अलग–अलग टूर्नामेंटों में टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है और एक ऐसा मानक स्थापित किया है, जिसे वे आगे भी बनाए रखना चाहती हैं।

हॉकी इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में सलीमा ने कहा, हमने हर टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन किया और जापान में एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक जीता। हमारी निरंतरता अच्छी रही है। हमने अपने लिए जो मानक तय किए हैं, हम उन्हें बनाए रखने और अपने प्रदर्शन के स्तर को और ऊंचा उठाने की कोशिश करेंगे।

भोपाल में होने वाला यह टूर्नामेंट इस साल का आखिरी आयोजन है। कप्तान चाहती हैं कि खिलाड़ी उसी एकजुटता के साथ इस चुनौती का सामना करें, जो उनकी हालिया सफलताओं का मुख्य आधार रही है।

उन्होंने आगे कहा, यह हमारे लिए इस साल का आखिरी टूर्नामेंट है, इसलिए हम इसका आनंद लेने की कोशिश करेंगे और एक बार फिर दिखाएंगे कि हम एक–दूसरे पर कितना भरोसा और विश्वास करते हैं।बंसरी सोलंकी टीम में शामिल हुई हैं, जबकि बिचू देवी भी गोलकीपर के तौर पर एक विकल्प हैं।





बावली आर्ट संगम' से जुड़ीं अल्लू स्नेहा रेड्डी



भारत की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक खास पहल के तहत अल्लू स्नेहा रेड्डी बावली आर्ट संगम से चेयरपर्सन दृ कल्चर एंड हेरिटेज के तौर पर जुड़ी हैं। यह पहल देश की ऐतिहासिक वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को सामने लाने के लिए शुरू की गई है। कला, वास्तुकला और परंपराओं में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक हमेशा देखने मिलती है। यहां तक कि देश में मौजूद पहले के जमाने की ऐतिहासिक बावड़ियाँ भी वास्तुशिल्प की शानदार उत्कृष्टता के साथ पानी और हमारी सभ्यता का गहरा संबंध आकर्षक तरीके से दिखाती हैं। अब इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए भारत के पहले स्टेपवेल आर्ट बिएनल, बावली आर्ट संगम, का मकसद है कि वे लोगों का नई तरीके से ध्यान इन ऐतिहासिक संरचनाओं पर लेकर आएं और वह भी एक प्लेटफॉर्म को बनाकर कर जहां भारतीय कलात्मक और सांस्कृतिक पहचान का जश्न मनाया जा सके।

ऐसे में अब इस पहल की आवाज बनते हुए अल्लू स्नेहा रेड्डी ने बावली आर्ट संगम से हाथ मिलाते हुए उसे बतौर चेयरपर्सन दृ कल्चर एंड हेरिटेज के रूप में ज्वाइन किया है। अपनी अलग तरह की सेंस ऑफ स्टाइल और कला संग संस्कृति के लिए सम्मान और प्यार के लिए जाने जानें वालीं स्नेहा रेड्डी का इस पहल से जुड़ना, इसमें एक नया नजरिया और भारत के समृद्ध विरासत का जश्न मनाने का फिर मौका देगा।

स्नेहा ने पोस्ट शेयर कर बावली आर्ट संगम के साथ अपने एसोसिएशन की घोषणा की, साथ ही उन्होंने इसे नए सफर की शुरुआत बताया। अपने इस रोल के जरिए वह ऐसी पहल का हिस्सा बनेंगी, जिसका मकसद भारत की कला, संस्कृति और विरासत को लोगों के बीच और पहचान दिलाना है। साथ ही, उनसे जुड़ी कहानियों को भी ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाना भी इस पहल का मकसद है।

बावली आर्ट संगम का मकसद भारत की ऐतिहासिक बावड़ियों की शानदार वास्तुकला और सांस्कृतिक महत्व को सामने लाना है। इस पहल के जरिए पानी, कला और सभ्यता के बीच सदियों पुराने रिश्ते को समझने की कोशिश की जाएगी। यह पहल कला, संस्कृति और विरासत को एक साथ लाने के साथ–साथ भारत के उन ऐतिहासिक खजानों को भी पहचान दिलाना चाहती है, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।बावली आर्ट संगम की शुरुआत 1 दिसंबर 2026 से 10 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। इस दौरान भारत की समृद्ध विरासत को अनोखे तरीके से सामने लाते हुए कला, संस्कृति और इतिहास को एक साथ लाया जाएगा।

फिल्म वाराणसी की शूटिंग पूरी, 7 अप्रैल को होगी रिलीज



एसएस राजामौली की मोस्ट अवेटेड फिल्म वाराणसी की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी शेयर की है। इससे पहले फिल्म के निर्माता एसएस कार्तिकेय ने इसी साल सितंबर में आईएएनएस को दिए एक खास इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म का पोस्ट–प्रोडक्शन तेजी से चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि अगले साल जनवरी तक यह काम पूरा हो जाएगा। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही वाराणसी में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म का संगीत एमएम कीरवानी ने तैयार किया है। इसका निर्माण श्री दुर्गा आर्ट्स और शोइंग बिजनेस के बैनर तले किया जा रहा है। वाराणसी के टाइटल टीजर लॉन्च पर एसएस राजामौली ने महेश बाबू के किरदार रुद्र के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था कि रुद्र का जन्म बड़े उद्देश्य को पूरा करने के लिए हुआ है। वह ऐसी किस्मत लेकर चलता है, जिसे उसने खुद नहीं चुना। वह मजाकिया होने के साथ–साथ भावुक और निडर भी है। महेश बाबू ने अपने किरदार में इन सभी खूबियों को बखूबी उतारा है। किसी किरदार को सिर्फ निडर दिखाना आसान है, लेकिन एक ही समय में उसे निडर और कमजोर भावनाओं वाला दिखाना बहुत कम कलाकार ही कर पाते हैं।राजामौली ने बताया कि फिल्म के अफ्रीका शेड्यूल की शूटिंग किलिमंजारो और मसाई मारा के आसपास हुई थी। वहां के खूबसूरत नजारों ने उन्हें काफी प्रभावित किया। मेकर्स फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रियंका चोपड़ा के किरदारों की झलक भी पहले ही दिखा चुके हैं। फिल्म में पृथ्वीराज खलनायक कुंभा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी के किरदार में नजर आएंगी।

अनिरुद्ध व काव्या ने सेल्फ रेस्पेक्ट मैरिज परम्परा अपनाई



दक्षिण भारत में विवाह की एक ऐसी परंपरा भी है, जो सदियों पुरानी सामाजिक सोच को चुनौती देती आई है। अनिरुद्ध और काव्या ने भी इसी राह को चुना। ये है सेल्फ–रिस्पेक्ट मैरिज।

भारतीय हिंदू शादियों में आमतौर पर मंत्रोच्चार, सात फेरे, पंडित और कई तरह की धार्मिक रस्में देखने को मिलती हैं लेकिन म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की सह–मालकिन काव्या मारन ने बिना इस तामझाम के शादी की है। गत 11 नवंबर को दोनों ने ग्रीस में शादी की। लेकिन उनकी शादी पारंपरिक हिंदू रीति–रिवाजों से नहीं हुई। तस्वीरें वायरल हुईं, जिसके बाद ये चर्चाएं शुरु हो गईं कि कपल ने सेल्फ–रिस्पेक्ट मैरिज का रास्ता चुना। सेल्फ–रिस्पेक्ट मैरिज को तमिल भाषा में सुयमरियाथई थिरुमनम कहा जाता है। इसका सीधा मतलब है आत्मसम्मान के साथ विवाह। यह शादी का ऐसा तरीका है, जिसमें दो लोग बिना किसी पुजारी, धार्मिक मंत्रोच्चार या बड़े धार्मिक समारोह के एक–दूसरे को जीवनसाथी स्वीकार कर सकते हैं। इस शादी में कपल अपनी पसंद के मुताबिक कुछ प्रतीकात्मक रस्में निभा सकते हैं। मसलन, एक–दूसरे को वरमाला पहनाना, अंगूठियां बदलना या थाली (मंगलसूत्र) बांधना। इसके लिए किसी एक तय धार्मिक विधि ा का पालन करना जरूरी नहीं है। इसका मुख्य आधार दोनों लोगों की सहमति और एक–दूसरे को पति–पत्नी के रूप में स्वीकार करना है। अनिरुद्ध और काव्या ने भी ऐसा ही किया। उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में एक–दूसरे को वर मालाएं और चेन पहनाई। इस शादी समारोह में रजनीकांत और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी शामिल हुए। सेल्फ–रिस्पेक्ट मैरिज की जड़ें तमिलनाडु के सामाजिक सुधार आंदोलन से जुड़ी हैं। इसकी शुरुआत साल 1925 में समाज सुधारक ईवी रामासामी ने की थी, जिन्हें पेरियार के नाम से जाना जाता है।

भोजपुरी सिने जगत मना रहा धूमधाम से छठ पर्व



छठ महापर्व को लेकर भोजपुरी सिनेमा जगत में जबरदस्त उत्साह है। एक के बाद एक नए छठ गीत रिलीज हो रहे हैं। सितारे शेयर कर रहे हैं कि वो कैसे छठ पूजा मना रहे हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री के बड़े सितारे इस बार भी अपने गीतों के जरिए छठी मईया की भक्ति का संदेश दे रहे हैं। पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, अक्षरा सिंह, अरविंद अकेला कल्लू, अंकुश राजा, नीलकमल सिंह और शिल्पी राज के छठ गीत सोशल मीडिया और यूट्यूब पर चर्चा में हैं। वहीं, प्रसिद्ध गायिका कल्पना पटवारी और दिग्गज गायक उदित नारायण की आवाज में आए भक्ति गीत भी श्रद्धालुओं को खूब पसंद आ रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियां प्रियंका पंडित, साक्षी सिंह, काजल राघवानी, आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह भी छठ गीतों और पूजा से जुड़े कार्यक्रमों के कारण सुर्खियों में हैं।

चार दिवसीय लोक आस्था के इस महापर्व पर देश और विदेश में रहने वाले भोजपुरी समाज के लोग पूरी श्रद्धा के साथ पूजा–अर्चना कर रहे हैं। ऐसे में नए भोजपुरी छठ गीत ना सिर्फ मनोरंजन का माध्यम बन रहे हैं, बल्कि पर्व की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को भी आगे बढ़ा रहे हैं। इस साल छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर से हो गयी है।13 नवंबर को नहाय–खाय, 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को उषा अर्घ्य और पारण होगा। भोजपुरी संगीत जगत के लोकप्रिय गायक एवं अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर स्थित भाटपारा में आयोजित भव्य छठ पूजा समारोह में अपने खास अंदाज से खूब सुर्खियां बटोरीं। समारोह के दौरान कल्लू ने न सिर्फ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को भोजपुरी बोलना सिखाया, बल्कि उनसे छठ पूजा का गीत भी गवाया।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय–
सेक्टर–सी0–1, सी0–25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0–226012

टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0–0522–4010844

Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com@tvindialivedigi

